डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 37 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 13 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 :

बिहार में मुस्लिम विधायकों की संख्या बढ़ सकती है!

-मुस्लिम मतदाताओं के विभाजन के कारण विधानसभा चुनाव 2020 में 19 मुस्लिम विधायक जीत आए थे, जबकि उससे पहले 2015 में 24 मुस्लिम विधायक जीते थे

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव की चर्चा पूरे देश में हो रही है। दोनों गठबंधन की पार्टियां चुनाव जीतने के लिए काफी मेहनत कर रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू, भाजपा और एनडीए के घटक दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है।

इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद, कांग्रेस के साथ एवं इंडिया गठबंधन के दूसरी पार्टियों के साथ चुनाव लड़ रही है। कुछ दिनों में राजनीतिक पार्टियों के बीच सीटों का बंटवारा हो जाएगा। बिहार में चुनाव आयोग ने चुनाव तारीखो की घोषणा पहले ही कर दी है। माना जा रहा है कि इस बार भाजपा और जेडीयू का गठबंधन दमदारी से चुनाव लड़ रहा है। केंद्र में भाजपा की सरकार का फायदा एनडीए गठबंधन को मिल सकता है। वैसे भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं। राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह की पूरी कोशिश है कि बिहार में भाजपा गठबंधन की सरकार बने। बिहार चुनाव में इस बार सभी हथकंडे काम में लिए जाएंगे।

भाजपा का हिंदूत्व का एजेंडा, तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के विकास के नाम पर चुनाव में उतरेंगे। इसी तरह कांग्रेस और राजद दलित और पिछड़ों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन को बिहार में 20 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं का साथ मिल सकता है। सांसद ओवैसी की पार्टी एमआईएम मुस्लिम वोटो में सेध लाकर विभाजन कर सकती है।

मुस्लिम विधायकों की संख्या बढ़ सकती है?

मुस्लिम मतदाताओं की संख्या बिहार में 20 प्रतिशत के करीब है। पिछली बार 2020 विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाता राजद, कांग्रेस, जेडीयू और एमआईएम के बीच विभाजित हुए। मुस्लिम मतदाताओं के विभाजन के बावजूद बिहार में 19 मुस्लिम विधायक जीत कर आए थे। जो पिछली बार 2015 विधानसभा चुनाव से पांच विधायक कम थे। 2015 विधानसभा चुनाव में 24 मुस्लिम विधायक जीत कर आए थे। बिहार में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या के अनुसार विधायकों की संख्या ज्यादा होनी चाहिए। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम विधायकों की संख्या बढ़ सकती है। क्योंकि मुस्लिम मतदाताओं में इस बार पहले से कम विभाजन होने की संभावना है। इस बार जेडीयू को मुस्लिम मतदाता पसंद नहीं कर रहा है। इसका फायदा इंडिया गठबंधन की पार्टियों को मिलने जा रहा है। एमआईएम के पिछली बार 5 विधायक थे, कांग्रेस के 4 विधायक और राजद के 8 विधायक जीत कर आए थे। इस बार बिहार में 30 मुस्लिम विधायकों की जीत हो सकती है। क्योंकि मुस्लिम मतदाता पहले से ज्यादा समझदार हुआ है, ऐसा कयास लगाए जा रहे हैं।

धर्म परिवर्तन कानून संविधान की भावना के खिलाफ

- सामाजिक संगठनों ने विरोध जताया

जयपुर। राजस्थान में 9 अक्टूबर से लागू हुए राजस्थान विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश, 2025 को लेकर प्रदेश के 20 सामाजिक, धार्मिक और नागरिक संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। संगठनों ने इसे पूर्ण रूप से अलोकतांत्रिक और सांप्रदायिक कानू बताते हुए कहा है कि यह संविधान की भावना के खिलाफ है और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता है। जयपुर क्रिस्चियन फेलोशिप के जनरल सेक्रेट्री जस्टिन बोनिफेस ने कहा कि इस कानून का असली उद्देश्य केवल एक धर्म विशेष को सर्वोच्च सिद्ध करना और अन्य धर्मों को दोयम दर्जे पर रखना है। जारी बयान में आरोप लगाया गया है कि संघ परिवार की घर वापसी जैसी विचारधारा को इस अध्यादेश की धारा 3(1) में शामिल किया गया है, जिससे स्पष्ट होता है कि हिन्द धर्म में परिवर्तन कानूनी दायरे से बाहर रखा गया है। संविधान का अनुच्छेद 25 हर व्यक्ति को अपने धर्म की पूजा, उपासना, प्रचार और किसी भी धर्म को अपनाने की स्वतंत्रता देता है, पर यह नया अध्यादेश उन अधिकारों का उल्लंघन करता है। इसके साथ ही अनुच्छेद 14, 17, 19 और 21 के भी हनन का आरोप लगाया।

"कानून को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी"

पीयूसीएल की नेशनल प्रेसिडेंट और मानवाधिकार कार्यकर्ता कविता श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थान के इस नए कानून को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। संगठनों का कहना है कि देश के 11 में से 7 राज्यों के धर्म परिवर्तन कानून पहले ही सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती के दायरे में हैं, और अब राजस्थान का कानून भी उसी मंच पर ले जाया जाएगा। दिवाली के बाद पूरे प्रदेश में नागरिक समाज, धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों और विभिन्न धर्मों के संगठनों के साथ मिलकर बड़ा जन आंदोलन चलाया जाएगा। धर्म परिवर्तन के मामलों की जांच सीआईडी को सौंपने की मांग की गई है, क्योंकि वर्तमान में जांच कथित रूप से पक्षपातपूर्ण ढंग से की जा रही है. अल्पसंख्यकों के उपासना अधिकारों की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री स्तर पर संरक्षण नीति बनाए जाने की मांग रखी गई है।

वंचितों और जरूरतमंदों को सुनिश्चित मिल रही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं - भजनलाल शर्मा

-महिला, युवा, मजदूर और किसान के कल्याण की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिला, युवा, मजदूर और किसान के कल्याण की दिशा में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों से अंत्योदय का सपना तेजी से साकार हो रहा है। शिक्षा से लेकर चिकित्सा जैसे अहम क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और सुविधाओं की उपलब्धता ने गांव-ढाणी और कस्बों में अंतिम पायदान के व्यक्ति तक बड़ी राहत पहुंचाने का कार्य किया है। शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश 'निरामय राजस्थान' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसमें मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अहम भूमिका निभा रही है और जरूरतमंद व वंचित वर्ग तक उपचार सुनिश्चित कर रही है। योजना के अन्तर्गत कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए 73 डे केयर पैकेजेज, शिशुओं के उपचार हेतु 419 पेडियाट्रिक्स पैकेज और 8 लाख वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। साथ ही, मा वाउचर योजना में 25 हजार गर्भवती महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार 363 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों के माध्यम से निःशुल्क सेवाएं दी जा रही हैं। इसके तहत 2 लाख 48 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं को क्यू आर कोड जनित कूपन जारी किये जा चुके है। अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में 'लाडो प्रोत्साहन योजना' भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना में गरीब परिवारों में बालिका के जन्म पर 1 लाख 50 हजार रुपये का सेविंग बॉण्ड उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनान्तर्गत अब तक लगभग 4 लाख 18 हजार बालिकाओं को प्रथम किश्त से लाभान्वित किया जा चुका है।

महिलाओं को सम्बल प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा संचालित "प्रधानमंत्री उज्जवला योजना" तथा बीपीएल श्रेणी के परिवारों को रसोई गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना में 450 रुपये मात्र में एलपीजी सिलेण्डर उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए प्रदेश में अन्य पात्र परिवारों को भी लाभान्वित करने के लिए 'मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना' लागू की है। इसके तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चिन्हित शेष 67.97 लाख परिवारों को भी 450 रुपये में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। सितम्बर, 2024 से अब तक 558 करोड़ रुपये सब्सिडी राशि का भुगतान किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोइयों में मोटा अनाज (बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट्स) को भोजन में शामिल किया गया। भोजन थाली का वजन 450 ग्राम से बढ़ाकर 600 ग्राम किया गया हैं। राजकीय अनुदान राशि 17 रुपये से बढ़ाकर 22 रुपये प्रति थाली किया गया है। श्री अन्नपूर्णा रसोई (ग्रामीण) में अब तक 4.30 करोड़ और श्री अन्नपूर्णा रसोई (शहरी) में 8.87 करोड़ भोजन थाली परोसी गई हैं। श्रमिकों, स्ट्रीट वेंडर्स एवं लोक कलाकारों के लिए 'मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना' के तहत 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 3 हजार रुपये मासिक पेंशन देने का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेण्डर आत्म निर्भर निधि योजना) अन्तर्गत 1 लाख 89 हजार व्यक्तियों को ऋण जारी किए गए, जिनमें 1 लाख 89 हजार व्यक्तियों को प्रथम ऋण, 49 हजार 420 व्यक्तियों को द्वितीय ऋण तथा 5 हजार 468 को तृतीय ऋण वितरित किए गए हैं। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना में असंगठित क्षेत्र के 1 हजार 271 श्रमिकों को लाभान्वित किया गया है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड अब खत्म, अल्पसंख्यक स्कूलों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा जाएगा

शिमला। उत्तराखंड सरकार ने अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025 को मंजूरी दी है, जिसके तहत राज्य के सभी मदरसों को उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद से संबद्ध होना अनिवार्य होगा। इस कदम से मदरसा बोर्ड का इतिहास बन जाएगा और सभी अल्पसंख्यक विद्यालयों में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत राष्ट्रीय पाठ्यक्रम लागू होगा. उत्तराखंड में अब मदरसा बोर्ड इतिहास बनने जा रहा है।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक के लागू होने के बाद राज्य में चल रहे सभी मदरसों को उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से मान्यता लेनी होगी और उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद (उत्तराखण्ड बोर्ड) से संबद्ध होना अनिवार्य होगा।

'नई शिक्षा नीति के तहत दी जाएगी एजुकेशन'

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस निर्णय को राज्य की शिक्षा व्यवस्था में 'समानता और आधुनिकता' की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि जुलाई 2026 सत्र से सभी अल्पसंख्यक विद्यालयों में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम (NCF) और नई शिक्षा नीति (NEP-2020) के तहत शिक्षा दी जाएगी।

'मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली से जुड़ेगा मदरसा बोर्ड'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश का हर बच्चा चाहे वह किसी भी वर्ग या समुदाय का हो- समान शिक्षा और समान अवसरों के साथ आगे बढ़'। इस कदम के साथ उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन जाएगा, जहां मदरसा बोर्ड को समाप्त कर अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थानों को मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली से जोड़ा जाएगा।

कांग्रेस को लोकतंत्र पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं - मदन राठौड़

जयपुर । भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी का इतिहास लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के दमन से भरा हो, उसे आज RTI एक्ट या पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राठौड़ ने डोटासरा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि "देश में 50 से ज्यादा सरकारें गिराने वाली कांग्रेस, संवैधानिक संस्थाओं को बंधक बनाने वाली कांग्रेस और तुष्टिकरण की राजनीति के ज़रिए समाज को बाँटने वाली कांग्रेस के नेता जब पारदर्शिता की बात करते हैं, तो यह ढोंग और दोहरा चरित्र ही नजर आता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि इतिहास से कांग्रेस की भूमिका को कोई नहीं भूल सकता। इंदिरा गांधी द्वारा चुनाव जीतने के लिए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग को अदालत ने भी माना था। डोटासरा शायद यह भी भूल गए हैं कि इंदिरा गांधी ने अपने ही पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हराने के लिए विपक्षी उम्मीदवार को समर्थन दिया था। कांग्रेस का इतिहास आपातकाल, सेंसरशिप और लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन से भरा हुआ है। फिर कौनसी शुचिता की बात करती है कांग्रेस।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्पष्ट किया कि RTI को वास्तव में मजबूत करने का काम भाजपा सरकार ने किया है, जहाँ अब ई-गवर्नेंस, डिजिटल एफआईआर और समयबद्ध जवाबदेही को कानून का हिस्सा बनाया गया है। कांग्रेस सिर्फ भ्रम फैलाने और झूठ की राजनीति में माहिर है। डोटासरा ने पहले भी कृषि बिलों, महिला आरक्षण, और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जनता को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन हर बार सत्य सामने आया और कांग्रेस का चेहरा बेनकाब हुआ। जनता अब कांग्रेस के इन बयानवीर नेताओं के झांसे में आने वाली नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति राष्ट्रवाद, सुशासन और पारदर्शिता पर आधारित है। जबकि कांग्रेस अब भी धोखे, भ्रम और सत्ता की भूख के पुराने ढर्रे पर चल रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने डोटासरा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि "डोटासरा जी कहते हैं कि मदन जी की बात का क्या जवाब दूं, तो मैं कहता हूँ कि उनके पास जवाब है ही नहीं, क्योंकि मैंने जो कहा वह तथ्य और सच्चाई पर आधारित है।" राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत प्रचार के लिए पहले गुजरात गए, कांग्रेस वहां हार गई। फिर महाराष्ट्र गए, वहां भी कांग्रेस की करारी हार हुई और अब वे बिहार जा रहे हैं, जहां कांग्रेस की हार तय है। यह स्पष्ट संकेत है कि जहां-जहां गहलोत जाते हैं, वहां से कांग्रेस साफ हो जाती है।

भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए 3 उम्मीदवारों का किया ऐलान

-एक मुस्लिम का भी नाम

नई दिल्ली। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के लिए तीन कैंडिडेट के नामों की घोषणा की है। यहां राज्यसभा के चार सीटों पर चुनाव होने हैं। 24 अक्टूबर को मतदान की तारीख तय हुई है। वोटिंग की नौबत आने पर इस चुनाव में विधायकों के द्वारा वोट डाले जाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में तीन उम्मीदवारों के नाम हैं। भगवा पार्टी ने गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और सत पाल शर्मा को मैदान में उतारा है। आपको बता दें कि चुनाव आयोग ने चार सीटों के लिए चुनाव के लिए तीन अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं। इस बात की संभावना है कि अपने उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने हेतु अन्य दलों के विधायकों को लुभाने की गहन कवायद शुरू करेगी। जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शुक्रवार को 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए अपने तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की और कहा कि चौथी सीट के लिए कांग्रेस के साथ बातचीत चल रही है। आपको बता दें कि राज्यसभा चुनाव में विधायकों के द्वारा वोट डाले जाते हैं। संख्या बल के हिसाब से राज्यसभा उम्मीदवारों की जीत होती है। कैंडिडेट की संख्या अधिक होने पर वोटिंग की नौबत आती है।

विधानसभा में अपनी संख्या के आधार पर नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस गठबंधन को तीन सीटों पर बढ़त हासिल है जबकि भाजपा को एक सीट पर बढ़त हासिल है। इसके बावजूद भाजपा ने तीन कैंडिडेट के नाम की घोषणा करके लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है।

आरटीआई एक्ट लागू होने के 20 वर्ष पूरे

- कांग्रेस ने आरटीआई एक्ट कानून की रक्षा करने का संकल्प लिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेष कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा तथा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा आरटीआई एक्ट लागू होने के 20 वर्ष पूर्ण होने पर जारी वक्तव्य डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार और सोनिया गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व में 12 अक्टूबर 2005 को ऐतिहासिक सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम अस्तित्व मेंआया। यह यूपीए सरकार के अधिकार-आधारित एजेंडा की पहली कड़ी थी, जिसमें मनरेगा (2005), वन अधिकार अधिनियम (2006), शिक्षा का अधिकार (2009), भमि अधिग्रहण मेंउचित मुआवज़ा का अधिकार अधिनियम (2013) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2013) शामिल थे। इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों के पास मौजूद जानकारी तक पहुँच प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना था, ताकि शासन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बन सके। आरटीआई समाज के सबसे हाशिए पर बसे लोगों के लिए जीवन रेखा साबित हुई है- इसने नागरिकों को उनके हक़ जैसे राशन, समय पर पेंशन, बकाया मज़दूरी और छात्रवृत्तियाँ दिलाने में मदद की है। इसने सुनिश्चित किया कि सबसे ग़रीब व्यक्ति को जीवन की बुनियादी ज़रूरतों सेवंचित न किया जाए। 2014 के बाद से RTI लगातार कमज़ोर की जा रही है, जिससे हमारे देश की पारदर्शिता और लोकतांत्रिक ढांचे पर आघात हुआ है।

कानून पर हमले (सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005)-

2019 के संशोधनों ने स्वतंत्रता को कमज़ोर किया और कार्यपालिका का प्रभाव बढ़ाया। 2019 के संशोधन ने सूचना आयोगों की स्वायत्तता को कमज़ोर कर दिया। पहले, आयुक्तों का कार्यकाल 5वर्ष का तय था और उनकी सेवा शर्तें सुरक्षित थीं। संशोधन के बाद केंद्र सरकार को कार्यकाल और सेवा शर्तेंतय करनेका अधिकार दे दिया गया, जिससे स्वतंत्रता प्रभावित हुई और कार्यपालिका का प्रभाव बढ़ा।

2023 - डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम और धारा 44(3) डिजिटल-

पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम ने आरटीआई की धारा 8 (1) (र) में संशोधन किया, जिससे "व्यक्तिगत जानकारी" की परिभाषा का दायरा बहुत बढ़ा दिया गया। पहले, "व्यक्तिगत जानकारी "जनहित मेंहोनेपर उजागर की जा सकती थी, लेकिन अब संशोधित प्रावधान कहता है- "कोई भी ऐसी जानकारी जो व्यक्तिगत जानकारी से संबंधित हो, प्रकट नहीं की जाएगी।" इसका अर्थ है की "व्यक्तिगत जानकारी" को पूर्णतः अपवाद बना दिया गया है। इससे सार्वजनिक कर्तव्यों या सार्वजनिक धन के उपयोग से संबंधित जानकारी का खुलासा भी रोका जा सकता है, जो आरटीआई के पारदर्शिता सिद्धांत के विरुद्ध है। महत्वपर्णू सार्वजनिक डेटा को "निजी" मानकर यह संशोधन मतदाता सूची, व्यय विवरण या अन्य जनहित से जुड़ी सूचनाओं के प्रकटीकरण से इनकार का रास्ता खोल देता है। इससे सार्वजनिक निगरानी की प्रक्रिया पर सीधा असर पड़ता है- यही प्रक्रिया थी जिसके ज़रिए एमपीएलएडी फंड के दुरूपयोग, मनरेगा में फर्जी लाभार्थियों और अस्पष्ट राजनीतिक फंडिंग जैसी अनेक गड़बड़ियाँ उजागर हुई थीं।

शेष पृष्ठ 2 पर....

टांकरड़ा के डॉ. मधुर हरसोलिया ने जीता बेस्ट रेजीडेंट का खिताब

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान आप्थल्मॉलोजिक सोसायटी की ओर से पुष्कर में आयोजित 47वीं वार्षिक कांफ्रेंस में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के रेजीडेंट व ग्राम टांकरड़ा के डॉ. मधुर हरसोलिया पुत्र डॉ. (मेजर) आर.एस. हरसोलिया ने बेस्ट रेजीडेंट ऑफ द ईयर का खिताब जीतकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। 3 से 5 अक्टूबर तक आयोजित तीन दिवसीय कांफ्रेंस में देश भर के 500 नेत्र रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसमें राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध एवं जाने-माने नेत्र विशेषज्ञों ने अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

चिकित्सालय के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. राजेश सैनी ने रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्योरिटी एवं डॉ. (मेजर) आर.एस. हरसोलिया ने रेट्रोपुपिलरी इरिस क्ला लेंस इंप्लांटेशन इन अफेकिया पर शोध-पत्र का वाचन किया। इस दौरान डॉ. एल.के. नेपालिया, डॉ. राकेश पोरवाल, डॉ. नीरज खुंगर, डॉ. अरुण क्षेत्रपाल, डॉ. प्रीति लाल, डॉ. विभूति गक्खड, डॉ. सोनेल असेरी सहित कई चिकित्सक मौजूद थे।

चौमूं खगोल विज्ञान प्रयोगशालाओं का शुभारंभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए जयपुर जिला परिषद के सहयोग से फिनोवा कैपिटल ने सरकारी विद्यालय चौमूं और भोजलावा में एस्ट्रोनॉमी लैब (खगोल विज्ञान प्रयोगशाला) स्थापित की है। इन प्रयोगशालाओं का उद्घाटन जयपुर जिला परिषद कि जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) प्रतिभा वर्मा और अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर फिनोवा कैपिटल के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। फिनोवा कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित साहनी ने बताया कि "फिनोवा कैपिटल सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत कई जनहितैषी परियोजनाओं पर कार्य करती रहती है। एस्ट्रोनॉमी लैब एक अनूठी पहल है, जो बच्चों को खगोल विज्ञान की रोचक जानकारी प्रदान करेगी और भविष्य में उन्हें विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।" उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी जयपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों में कुल पाँच एस्ट्रोनॉमी लैब स्थापित करने की योजना बना रही है, जिससे ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा से जोड़ा जा सके।

ग़ज़ल

क्या जानो अब हद से गुजरना सीख लिया
हमने तुमसे प्यार में लड़ना सीख लिया
बात मेरी जां वादों की क्यों करते हो
वादों ने वादों से बदलना सीख लिया
सपनों की दुनिया भी आखिर दुनियां है
सपनों ने अखबार में छपना सीख लिया
जुल्म दबाने से भी दब ना पाएगा
मुर्दों ने भी उठ कर चलना सीख लिया
आओ ज़रा कुदरत से भी पूछा जाए
इंसानों ने क्या - क्या करना सीख लिया
उस्तादों की ज़ात से शिकवा कौन करे
ज़ात ने धन - दौलत को भरना सीख लिया

-फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

लईक अहमद, विनोद जैन सरल स्वभाव व सक्षम कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार

-संगठन सृजन अभियान जिले में जारी पर्यवेक्षकों ने टटोले कार्यकर्ताओं के मन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्देशित संगठन सृजन अभियान के तहत सवाई माधोपुर जिला में नियुक्त केंद्रीय पर्यवेक्षक झारखंड विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष राजेश कश्यप प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती ममता भूपेश, प्रदुम्न सिंह जिले के चारों विधानसभाओं में पार्टी के कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोल रहे हैं, पर्यवेक्षक दर्जनों उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी जता रहे। जिसमें जातीय समीकरण के हिसाब से भी कई अड़चने सामने आ रही हैं। संगठन को मजबूत चलाना ओर संगठन के माध्यम से आगामी विधानसभा 2028 की तैयारी में शत प्रतिशत रहना ये कांग्रेस पार्टी की पहल है। ऐसे में पार्टी सोच समझकर ओर रॉय शुमारी से अध्यक्ष का चयन करेगी। ऐसे में जिले अनेक नामों में दो नामों पर भी खासी चर्चा बनी हुई है। विनोद जैन जिला संयोजक गांधी दर्शन, लईक अहमद सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी दोनो ही अपने-अपने व्यवहार से कार्यकर्ताओं में अच्छी पकड़ रखते हैं।

लईक अहमद पिछले 30 साल से कांग्रेस में सक्रिय और अलग-अलग संगठनों के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे है। लईक अहमद अभी वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सचिव पद की

जिम्मेदारी मिली हुई है ओर 2023 में सवाई माधोपुर विधानसभा से कांग्रेस टिकट की मजबूती से दावेदारी भी की थी। अहमद पूर्व में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अलसंख्यक विभाग में प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके है। जिला कांग्रेस कमेटी में महामंत्री पद पर रह चुके है।

पत्नी रह चुकी है जिला परिषद सदस्य

जिला अध्यक्ष की दावेदारी कर रहे लईक अहमद की पत्नी शाहीन मालावत 2010 में जिला परिषद के चुनाव में रिकॉर्ड 5 हजार मतो से जीत हासिल कर जिला प्रमुख की प्रत्याशी भी रह चुकी है।

लईक अहमद संगठन को चलाना चाहते है, कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं, नेता व जिले के संगठन को पार्टी के प्रति समर्पित रहकर मजबूती से चलाना चाहते हैं। जिससे कि आगामी समय में कांग्रेस पार्टी को संगठन की ओर से इजाफा मिलें।

विनोद जैन 1995 से ब्लॉक युवक कांग्रेस के पद से राजनीति में सक्रिय हैं। समाने वर्ग के चर्चित व्यक्ति हैं। सवाई माधोपुर शहर के स्थानीय निवासी है, कपड़ों के थोक व्यापारी हैं। पूर्व में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष, नगर अध्यक्ष व दो बार पूर्व में नगर पालिका में पार्षद व एक बार पूर्व नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। अभी गांधी दर्शन समिति के जिला संयोजक हैं पूर्व की कांग्रेस सरकार में काफी सक्रिय भूमिका रही है। सवाई माधोपुर जिले की चारों विधानसभा सीटों पर कार्यकर्ताओं में अच्छी पकड़ रखते हैं। पूर्व विधायक से अच्छे संबंध हैं। कांग्रेस पार्टी के लिए जिले में अध्यक्ष पद पर आकर पार्टी संगठन के लिए कार्य करने के इच्छुक है।

पृष्ठ एक का शेष....

वंचितों और जरूरतमंद को सुनिश्चित मिल रही.....

मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत 5 लाख परिवारों को रोजगार उपलब्ध करवाकर 343 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। स्थायी आश्रय और आवास से वंचित डिनोटीफाइड ट्राइब्स के परिवारों हेतु मुख्यमंत्री घुमन्तू आवासीय योजना 22 अक्टूबर 2024 को लागू की गई। नमस्ते योजना में 2 हजार 967 सफाई कर्मचारियों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया गया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन पोर्टल के माध्यम से पेंशन योजनाओं के आवेदन प्रस्तुत करने से लेकर प्रति माह भुगतान करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया पेपरलेस की गई। अल्प आय वर्ग के बुजुर्ग व्यक्तियों, विधवाओं, एकल नारियों, दिव्यांग व्यक्तियों तथा लघु एवं सीमान्त कृषकों को देय पेंशन को बढ़ाकर 1 हजार 250 रुपये प्रतिमाह किया गया। वहीं, आरटीई के तहत शैक्षिक सत्र 2024-25 में लगभग 2 लाख 4 हजार नव प्रवेशित विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रवेश दिया गया एवं निजी विद्यालयों को करीब 968 करोड़ रुपये की फीस का पुनर्भरण किया गया।

पृष्ठ एक का शेष....

आरटीआई एक्ट लागू होने के 20 वर्ष पूरे.....

केंद्रीय और राज्य सूचना आयोगों पर हमले

रिक्तियाँ- केंद्रीय सूचना आयोग आज अपनी अब तक की सबसे कमज़ोर स्थिति में है- 11 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल दो आयुक्त कार्यरत हैं और सितंबर 2025 के बाद मुख्य आयुक्त का पद भी रिक्त है। इस तरह की स्थिति यूपीए शासन के दौरान कभी नहीं रही। सामाजिक कार्यकर्ताओं जैसे अंजलि भारद्वाज की याचिकाओं पर कार्यवाही करतेहुए सर्वाच्च न्यायालय ने केंद्र और राज्यों को नियुक्तियों की समयबद्ध और पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने का निर्देश दिया था।

फिर भी, बार-बार के न्यायिक आदेशों के बावजूद कई पद महीनों तक रिक्त पड़े हैं। सतर्क नागरिक संगठन (Satark Nagrik Sangathan) की 'रिपोर्ट कार्ड ऑफ इन्फ़ॉर्मेशन कमिशन्स (2023-24)', जो अक्टूबर 2024 में जारी हुई, के अनुसार 29 में से 7 राज्य सूचना आयोग विभिन्न अवधियों के दौरान निष्क्रिय रहे।

लंबित मामलें और डेटा की अनुपलब्धता

जून 2024 तक देशभर के 29 आयोगों में लगभग 4,05,000 अपीलें और शिकायतें लंबित थी- जो 2019 की तुलना में लगभग दोगुनी हैं। नवंबर 2024 तक केवल केंद्रीय सूचना आयोग मेंही लगभग 23,000 लंबित मामले हैं। जब आरटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों पर हुए करोड़ों रुपये के खर्च, कोविड महामारी के दौरान ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों की वास्तविक संख्या या पीएम केयर्स फण्ड के उपयोग से जुड़ी जानकारी मांगी गई, तो कोई जवाब नहीं दिया गया। इलेक्टोरल बॉण्ड्स मामलें में एसबीआई ने आरटीआई के तहत् डेटा देने से इनकार किया और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। केवल तब जाकर राजनीतिक दलों को प्राप्त चंदों का डेटा सार्वजनिक हुआ।

व्यक्तियों पर हमले

भोपाल की कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् शहला मसूद जो अवैध खनन को उजागर करती थीं की उनके ही घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले की सीबीआई जाच में पाया गया कि आरोपियों में एक इंटीरियर डिजाइनर भी शामिल था। सतीश शेट्टी जो भूमि घोटालों को उजागर करने के लिए जाने जाते थे. उनपर सुबह की सैर के दौरान धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई।

सीबीआई जाच में इसमें रियल एस्टेट माफिया की संलिप्तता सामने आई। ऐसे मामले इस बात की भयावह याद दिलाते हैं कि आरटीआई कार्यकर्ताओं को कितने खतरों का सामना करना पड़ता है। अनेक कार्यकर्ता और नागरिक जो आरटीआई का उपयोग करते हैं. उन्हें उत्पीड़न धमकियों और हमलों का शिकार होना पड़ा है। इससे लोगों के भीतर भय का माहौल बना है और नागरिक आरटीआई का निर्भयता से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।

व्हिसल ब्लोअर्स प्रोटेक्शन एक्ट पारित हुआ पर लागू नहीं हुआ-

व्हिसल ब्लोअर्स प्रोटेक्शन अधिनियम, जिसे पारित किया जा चुका है. अब तक लागू नहीं हुआ है और इसके नियम अधिसूचित नहीं किए गए हैं। यह विधेयक यूपीए सरकार द्वारा पेश किया गया था और ससद के दोनों सदनों से पारित भी हुआ था, लेकिन मोदी सरकार के कार्यकाल (2014 के बाद) में न तो कानून लागू किया गया और न ही नियम बनाए गए। सुरक्षात्मक तंत्र के अभाव में प्रशासनिक अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले व्यक्ति धमकियों उत्पीडन और हिंसक हमलों के पति असुरक्षित बने हुए हैं। इस अधिनियम का उद्देश्य उन लोगों की रक्षा करना था जो भ्रष्टाचार या गलत कार्यों का खुलासा करते हैं लेकिन इसके लागू न होने से ये सभी सुरक्षा उपाय अर्थहीन हो गए हैं। अमेरिका या यूरोपीय संघ जैसे लोकतंत्रों ने माना है कि भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए व्हिसलब्लोअर्स की सुरक्षा आवश्यक है. जबकि भारत एक ऐसा अपवाद है जहाँ कानून होते हुए भी सरकार ने इसे लागू करने से परहेज किया है। सूचना का अधिकार (त्प्) अधिनियम की 20वीं वर्षगाठ पर हम दोहराते हैं कि सूचना का अधिकार केवल एक कानून नहीं बल्कि भारत के नागरिकों के संवैधानिक और सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस निम्नलिखित माँगे रखती है-

2019 के सशोधनों को निरस्त कर सूचना आयोगों की स्वतंत्रता बहाल की जाए और आयुक्तों के लिए 5 वर्ष का निश्चित कार्यकाल व सुरक्षित सेवा शर्ते सुनिश्चित की जाएँ। डीपीडीपी अधिनियम की उन धाराओं। धारा 44(3)) की समीक्षा व संशोधन किया जाए जो आरटीआई के जनहित उद्देश्य को कमजोर करती है। केंद्र और राज्य आयोगों में सभी रिक्तियों पारदर्शी व समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से तुरत भरी जाएँ। आयोगों के लिए कार्य निष्पादन मानक तय किए जाएं और निपटान दर की सार्वजनिक रिपोटिंग अनिवार्य की जाए। व्हिसलब्लोअर प्रोटेक्शन अधिनियम को पूर्ण रूप से लागू कर आरटीआई उपयोगकतोओं और व्हिसलब्लोअर्स को सशक्त सुरक्षा प्रदान की जाए। आयोगों में विविधता सुनिश्चित की जाए पत्रकारों कार्यकताओं शिक्षाविदों और महिला प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए।

आरटीआई आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण लोकताबिक सुधारों में से एक है। इसकी कमजोरी लोकलत्र की कमजोरी है। आरटीआई की 20वीं वर्षगाठ पर भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस इस कानून की रक्षा और सशक्तिकरण के अपने सकल्प को दोहराती है ताकि हर नागरिक निडर होकर सवाल पूछ सके और समयबदध व प्रभावी उत्तर प्राप्त कर सके।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया को "गरीबा रत्न" अवार्ड से नवाजा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा व अखिल भारतीय गरीबाधाम सेवा संस्थान ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में महान संत आचार्य गरीब साहेब की 55 वीं स्मृति दिवस पर जयपुर श्याम नगर में स्थित गुलाब इंडियन मैरिज गार्डन में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं गरीबा रत्न अवार्ड समारोह आयोजित हुआ। समारोह में सेवानिवृत एएसपी अनिल गोठवाल, राजस्थान पुलिस इंस्पेक्टर उर्फ पीके मस्त ब्रांड एम्बेसडर प्रवीण कुमार मीणा, जन अधिकार सेना सीकर के जिला महासचिव उम्मेद सिंह, हास्य कवि गोंविन्द हांकला, गीतकार(सूत्रधार) कवि देवकरण मेघवंशी, वीररस व प्रकृति कवि प्रहलाद चांडक, बिहार से गीत गजल मधुबनी उषा दास, कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक

गुलाब लाड़ना, अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा के राष्ट्रीय संयोजक व कार्यक्रम संयोजक बी.एम. रोजड़े, अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव शंकर छत्रपति, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. गोपाल लाल सरावता, प्रदेश महामंत्री जगदीश आसरावत, प्रीति चौधरी ने चौमूं विधानसभा के ग्राम टांकरड़ा निवासी समाजसेवी सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया को गरीबा रत्न अवार्ड से नवाजा गया।

मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

-वंचित समाज के अधिकारों की राह दिखाने वाले महामानव को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के हंसराज तिराहा पर गुरुवार को वंचित, शोषित और पिछड़े समाज के मसीहा मान्यवर कांशीराम जी की 19 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने पुष्प अर्पित कर कांशीराम जी के संघर्षों और विचारों को नमन किया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन मोहनपुरिया ने कहा कि कांशीराम जी ने समाज को जागरूक करने का जो आंदोलन शुरू किया, उसने देश की राजनीति और सामाजिक चेतना की दिशा बदल दी। उन्होंने वंचितों को संगठित कर बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय का जो सपना देखा, वह आज भी समाज को प्रेरणा देता है। इस प्रकार कार्यक्रम में महेश जड़वाल, गणपत खटुमरिया,

बालूराम यादव, पांचूराम बेनीवाल (बोबाड़ी), हीरालाल धानका, राजेंद्र मोहनपुरिया, सुनील लाईटवाला, लीलाराम रैगर सहित अनेक समाजसेवी व युवा मौजूद रहे। वही सभी ने एकस्वर में कहा कि कांशीराम जी का जीवन और उनकी विचारधारा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस दौरान अंत में सभी उपस्थितजनों ने उनके मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

महापौर की अध्यक्षता में हुई मैराथन बैठक विकास कार्यों की समीक्षा की

-महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने अधिकारियों को तय समय में कार्य पूरा करने के दिये निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में शुक्रवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय में मैराथन बैठकें हुई। जिसके तहत सर्वप्रथम विकास कार्यों की समीक्षा बैठक, कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों की पालना के संबंध में बैठक, एम्पावर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी सहित अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता मौजूद रहे। बैठक में वार्डों में किये जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने यूएलबी क्लब, रामनिवास बाग में स्पोर्ट्स एकेडमी, अटल पार्क आदि की प्रगति रिपोर्ट ली और कार्यों को शीघ्र करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त सड़कों की त्वरित गति से मरम्मत करने के भी निर्देश दिए गए। इसी क्रम में महापौर ने कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों की पालना के संबंध में बैठक ली। महापौर ने इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों को कहा शीघ्र निस्तारण किया जाए तथा शहरी सेवा शिविर में जोन स्तर पर फायर एनओसी भी समय पर जारी की जावे। उन्होंने कहा कि

कि बिना लाइसेंस के चलने वाली मीट-माँस की दुकानों पर कार्रवाई की जाए एवं 'हलाल' एवं 'झटका' भी अंकित किया जाए। दीपावली पर्व से पूर्व असहाय गोवंश को भी हिंगोनिया गौशाला में भेजा जाए। पटाखों से कोई जनहानि न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शहरी सेवा शिविर के तहत पट्टों के लंबित आवेदनों का निगम का प्रथम कार्य सफाई है। यदि दीपावली पर घर व कार्यालय स्वच्छ किए जा रहे हैं तो शहर भी साफ हो, इसकी ज़िम्मेदारी सभी की है। एम्पावर्ड समिति की बैठक में कुल 3 प्रकरणों का निस्तारण कर नीतिगत निर्णय पारित किया गया। इस बैठक में उपविभाजन और पुनर्गठन के 6 प्रकरणों पर विचार-विमर्श किया गया।

थाना मालपुरा गेट सांगानेर पुलिस की साहसिक कार्यवाही दो शातिर बदमाशों को किया गिरफ्तार

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस थाना मालपुरा गेट सांगानेर पूर्व के जांबाज पुलिस द्वारा तुरंत कार्यवाही कर महिला से बैग छीन कर भागने वाले दो शातिर बदमाशों को किया गिरफ्तार। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन आईपीएस ने बताया कि जयपुर शहर में लूट, चोरी, नकबजनी की वारदात करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने हेतु समस्त सहायक पुलिस आयुक्त एवं थानाधिकारियों को अधिक से अधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। एक महिला परिवादिया सरोज जैन पत्नी उत्तम कुमार जैन निवासी एस डी सी यूरो एक्जोटिक फ्लैट नंबर 517 कुशलनगर न्यू सांगानेर रोड रिको पुलिया के द्वारा 10.10. 2025 को मैं चोमू बाग स्थित पार्श्वनाथ मंदिर में पूजा करने के लिए जा रही थी। इस दौरान पीछे से एक मोटरसाइकिल बुलेट पर सवार दो लड़के मेरा बैग छीन कर ले गए। जिसमें दो चांदी के कलश ,दो चांदी की थाली, एक चांदी की प्लेट, एक चांदी का टोना, एक चांदी का मग, एक चांदी की माला और 520 रुपए नगद रखे थे। बैग

को लेकर भाग गए। वारदात की गंभीरता को देखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त विनोद कुमार शर्मा के सुपरविजन में एवं पुलिस थाना मालपुरा गेट इंचार्ज उदयभान यादव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम द्वारा पूर्व में चालान सुधा अपराधियों से पूंछताछ की गई। सी सी टीवी फुटेज खंगालें गए। हुलिया एवं प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को चिन्हित किया गया। बाल किशन उर्फ बल्लू पुत्र ज्ञानचंद जाति कुम्हार उम्र 26 निवासी बागड़ा हॉस्पिटल के पास मद रामपुरा तथा लक्ष्मण उर्फ लछी पुत्र काना उर्फ कन्हैया उम्र 30 साल जाति माली निवासी पंचकुइया टोंक। को गिरफ्तार कर छीने गए माल को बरामद किया गया। यह दोनों शातिर अपराधी हैं। इनके ऊपर कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस थाना मालपुरा गेट सांगानेर की गठित टीम में बृजमोहन, उदयभान, करण सिंह, युवराज, पुष्पेंद्र, पवन कुमार आदि शामिल रहे। उक्त कार्यवाही में कानि. कर्ण सिंह 10894 तथा कानि. योगराज 9705 की विशेष भूमिका रही।

कौन बनेगा जयपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी को नया जिला अध्यक्ष मिलने की संभावनाएं बढ़ने लगी है। इसी कड़ी में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक अहम बैठक हुई। जिसमें अध्यक्ष चयन को लेकर गहन मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य रुद्र राजू गिडुगु ने की, जिसमें जयपुर प्रभारी एवं राजाखेड़ा विधानसभा से विधायक रोहित बोहरा और शहर अध्यक्ष आर आर तिवाडी भी शामिल हुए।

संगठन सर्जन अभियान के तहत हुई बैठक-

यह बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय व्यापी 'संगठन सर्जन अभियान' के तहत आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है। CWC सदस्य गिडुगु ने जयपुर के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर जिला अध्यक्ष पद के लिए संभावित उम्मीदवारों पर फीडबैक और रायशुमारी की। बैठक में सीडब्ल्यू सदस्य ने स्पष्ट किया गया की अध्यक्ष पद के लिए 6 नाम की सूची बनाई जाएगी। जिसमें एक महिला, एक दलित, एक पिछड़ा वर्ग से नाम लिया जाएगा। 6 नाम से तीन नाम सेलेक्ट कर प्रदेश कांग्रेस को भेज दिए जाएंगे। कांग्रेस 'सर्जन संगठन' के नाम पर पार्टी संगठन को मजबूत कर रही है। वर्तमान में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए स्लीपर सेलो को ढूंढा जा रहा है। कुछ ऐसे नेता भी जिला अध्यक्ष बनने की दौड़ में है, जिनका अपने वर्गों में बिल्कुल ही प्रभाव नहीं है। लेकिन ऐसे नेताओं के भाजपा में अच्छे रसूख है। जयपुर जिला अध्यक्ष इस बार किसी दलित, पिछड़े एवं महिला को भी बनाया जा सकता है।

अध्यक्ष पद के लिए नाम की चर्चा-

जयपुर जिला अध्यक्ष पद के लिए पूर्वमंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, सांगानेर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे पुष्पेंद्र भारद्वाज, किशनपोल विधायक अमीन कागजी, प्रदेश कांग्रेस सचिव रूबी खान, समाज सेविका रोमा जैन, गोपाल मीणा, गिर्राज खंडेलवाल, मोहम्मद असगर, इकबाल खान आदि के नाम चर्चा में है। वर्तमान जयपुर जिला अध्यक्ष आर आर तिवाडी 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के हो गए हैं और उनकी फील्ड में भाग दौड़ मुश्किल है। इसके अलावा तिवाडी पर कांग्रेस की हवामहल सीट जानबूझकर हारने का भी आरोप है। इसके अलावा अध्यक्ष पद पर रहते हुए उनके पुत्र पर लोगों से मिली भगत का भी आरोप है।

SMS ट्रॉमा हादसे के बाद एक्शन में विधायक! गणगौरी अस्पताल का किया रियलिटी चेक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एसएमएस ट्रॉमा हादसे से सबक लेते हुए हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य ने रविवार 5 अक्टूबर को गणगौरी अस्पताल का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का रियलिटी चेक किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी दी कि मरीजों की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अग्निशमन सिस्टम पर रहा विशेष फोकस-

सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद एक्शन मोड में आए विधायक आचार्य ने गणगौरी अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा किया। उन्होंने विशेष रूप से अस्पताल में लगे अग्निशमन यंत्रों (Fire Extinguishers), फायर अलार्म सिस्टम और आपातकालीन निकास द्वारों की स्थिति की जांच की। उन्होंने उपकरणों के रखरखाव और स्टाफ की ट्रेनिंग के बारे में भी जानकारी ली।

प्रबंधन को दी सख्त चेतावनी-

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से कहा, "SMS ट्रॉमा सेंटर जैसी लापरवाही यहां नहीं चलेगी। मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इससे कोई समझौता नहीं होगा।" उन्होंने अधिकारियों को सभी सुरक्षा व्यवस्थाओं को हर समय दुरुस्त रखने और नियमित रूप से मॉक ड्रिल करने के सख्त निर्देश दिए। विधायक के इस औचक दौरे से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया और यह स्पष्ट संकेत है कि अब शहर के अन्य सरकारी अस्पतालों की भी सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच-पड़ताल की जाएगी।

2 लाख से अधिक बुजुर्गों की पेंशन रोककर जनता से किया विश्वासघात- आम आदमी पार्टी

-दीपावली से पहले भाजपा सरकार ने बुझा दिये बुजुर्गों के घरों के दिए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी ने राज्य की भाजपा सरकार पर जनता से विश्वासघात करने और बुजुर्गों की पेंशन रोककर उन्हें आर्थिक अंधकार में धकेलने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा जारी आदेश, जिसमें वार्षिक बिजली बिल ₹24,000 या उससे अधिक होने पर पेंशन निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं, गरीबों और बुजुर्गों की गरिमा पर सीधा हमला है। राज्य की रिपोर्ट के अनुसार 3,02,000 पेंशन लाभार्थियों में से 2,05,998 परिवारों के वार्षिक बिजली बिल ₹24,000 से अधिक बताए गए हैं। आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाया कि "अगर किसी पेंशनर के नाम पर बिजली कनेक्शन है, लेकिन उसका बिल परिवार का कोई और सदस्य भरता है, तो पेंशनर का क्या दोष? क्या भाजपा सरकार को यह नहीं पता कि आज भी राजस्थान में अधिकांश लोग संयुक्त परिवारों में रहते हैं?" प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस ने कहा कि दीपावली

के अवसर पर जब सरकार को जरूरतमंदों के घरों में उजाला करना चाहिए था, तब भाजपा सरकार ने पेंशन रोककर उनके घरों के दीए ही बुझा दिए "भाजपा जनता की मदद करने की बजाय उनसे मदद छीन रही है। यह फैसला उन बुजुर्गों और विधवाओं के साथ क्रूर मज़ाक है जो पेंशन के सहारे अपनी जिंदगी चला रहे हैं।" सहप्रभारी घनेंद्र भारद्वाज ने कहा कि भाजपा का झूठ एक बार फिर बेनकाब हुआ है। दिल्ली चुनावों में महिलाओं को ₹2500 मासिक पेंशन देने का वादा किया गया था, लेकिन सत्ता में आते ही वह वादा भुला दिया गया। अब राजस्थान में भी वही धोखा दोहराया जा रहा है।

रेडियोग्राफर संवर्ग की पदोन्नति होने पर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग का जताया आभार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में रेडियोग्राफर संवर्ग में रेडियोग्राफर से वरिष्ठ रेडियोग्राफर तथा वरिष्ठ रेडियोग्राफर से अधीक्षक रेडियोग्राफर पद पर पदोन्नति होने पर रेडियोग्राफर सोसायटी राजस्थान के पदाधिकारियों ने पदोन्नति डीपीसी को पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निदेशक अराजपत्रित राकेश शर्मा एवं अतिरिक्त निदेशक डॉ. राकेश गोचर का माल्यार्पण कर एवं साफा पहना कर स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। साथ ही साथ रेडियोग्राफर संवर्ग की डीपीसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी मंत्रालयिक कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया। इस दौरान रेडियोग्राफर संवर्ग की अब तक कंप्लीट हुए डीपीसी के लिए संघटन की और से धन्यवाद ज्ञापित दिया एवं शेष रही सहायक रेडियोग्राफर से रेडियोग्राफर पद

पर अधिक से अधिक संख्या में पदोन्नति करने तथा TSP एरिया की लंबित चल रही डीपीसी पूर्ण करने एवं एसटी एससी बेकलोक पदों को भरने तथा प्रदेश में रेडियोग्राफर संवर्ग के स्टाफिंग पैटर्न को संशोधित करते हुए नए पदों के सृजन के लिए भी ज्ञापन दिया। जिस पर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सकारात्मक आश्वासन दिया इस दौरान पदाधिकारियों में वकी अहमद, अनिलकुमार कुमावत, दुर्गेश सैन, महेंद्र मीना, देवनाथ त्यागी, आजम खान, सचिन मीना आदि पदाधिकारी मौजूद रहे ।

हेरिटेज निगम क्षेत्र में दीवाली से पहले होगी सफाई व्यवस्था सुदृढ़

-निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने किया निरीक्षण अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हेरिटेज निगम क्षेत्र में दीवाली को लेकर सड़क और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई है। निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने रविवार को सफाई व्यवस्था को लेकर परकोटे के बाजारों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परकोटे क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का अवलोकन भी किया। निगम आयुक्त ने जौहरी बाजार, घी वालों का रास्ता, बापू बाजार, सांगानेरी गेट, बड़ी चौपड़, किशनपोल बाजार में सड़क पर किए जा रहे पेचवर्क कार्य को देखा, इस दौरान उन्होंने किशनपोल जोन के इंजीनियर विंग को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। वहीं, बाजार में कुछ स्थानों पर ओपन कचरा डिपो को पूर्णतः खत्म करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि शहर में दीवाली को लेकर बाजार सजाए जा रहे है।

दूर देश से देशी विदेशी पर्यटक भी शहर का दीदार करने आ रहे है। ऐसे में हेरिटेज निगम की ओर से सभी तैयारियां समय पर कर ली जाएगी। बाजारों में अधिकारियों को निरीक्षण कर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया है। लाइट व्यवस्था, सीवर, सड़क पेचवर्क और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए जोन उपायुक्त को निर्देश दिए है कि वे मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक को पाबंद करें और समयबद्ध कार्य पूरा करें। इस दौरान अधिशाषी अभियंता हेमाराम ढाका, सहायक अभियंता लक्ष्मी नारायण मीणा, मोहम्मद इमरान सहित अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

लपकों के खिलाफ कार्यवाही, एक गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में भ्रमणार्थ आने वाले देशी/विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद जयपुर शहर है। आगामी त्यौहारों, दिपावली, नववर्ष आदि की छुट्टियों में भारी तादाद में पर्यटक आने के कारण उनकी सुरक्षार्थ एवं सुगम पर्यटन व्यवस्था करने एवं अवैध गाईडों के खिलाफ कार्यवाही के लिए निर्देश प्रदान किये गये। निर्देशों की पालना में हरिओम सिंह उपनिरीक्षक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा जयपुर शहर के प्रमुख पर्यटक स्थलों के आसपास डिकॉय आपरेशन कर 01 अवैध गाईड (लपका) के विरुद्ध राजस्थान पर्यटन व्यवसाय (सुकरकरण और विनियमन)

अधिनियम 2010 (संशोधन) अधिनियम 2021 के तहत प्रकरण पंजीबद्व कर कार्यवाही की गई। अब तक उक्त अभियान के दौरान 13 अवैध गाईड्स (लपकों) की गिरफ्तारी की जा चुकी है। पर्यटन पुलिस थाना द्वारा पर्यटकों की सुरक्षार्थ एवं सुगम पर्यटन के मध्यनजर अवैध गाईड्स (लपकों) के विरुद्द अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

महर्षि वाल्मिकी जयंती पर जयपुर में निकली भव्य शोभायात्रा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रामायण के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर रविवार को जयपुर में श्रद्धा और भक्ति का संगम देखने को मिला। सर्व समाज की ओर से आयोजित विशाल शोभायात्रा और वाहन रैली में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े, जिससे पूरा शहर वाल्मीकि जी के जयकारों से गूंज उठा। यह भव्य शोभायात्रा सुबह चौगान स्टेडियम से पूरे विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ हुई। यात्रा में महर्षि वाल्मीकि के जीवन और रामायण के प्रसंगों को दर्शाती कई मनमोहक झांकियां शामिल थीं, जो आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरी, जहां रास्ते में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत

किया। वाहन रैली में शामिल युवा भगवा ध्वज लहराते और जयकारे लगाते हुए चल रहे थे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा का समापन आमेर रोड स्थित वाल्मीकि भवन में महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस आयोजन ने जयपुर में संस्कार, श्रद्धा और संस्कृति का एक अनूठा संगम प्रस्तुत किया, जो आदिकवि के प्रति समाज की गहरी आस्था को दर्शाता है।

घाटगेट में फिर गूंजा एक ही नाम- जनता ने दोहराया भरोसा, अलीमुद्दीन फिर से अध्यक्ष

-जनादेश ने बोल दिया फैसला- घाटगेट में फिर वही कप्तान बना

-घाटगेट की गलियों में जश्न का माहौल- समर्थकों में जीत का उत्साह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के ऐतिहासिक चारदीवारी इलाके के प्रमुख बाज़ारों में से एक घाटगेट बाजार में रविवार को हुआ लोकतंत्र का उत्सव! व्यापारियों ने अपने प्रतिनिधि चुनने के लिए भारी उत्साह के साथ मतदान किया। घाटगेट बाजार व्यापार मंडल के चुनाव में इस बार 6 प्रत्याशियों ने मैदान में उतरकर अपनी किस्मत आजमाई। इस मुकाबले के बीच अलीमुद्दीन उर्फ कल्लू ने अध्यक्ष पद पर शानदार जीत दर्ज की, वहीं उनके पैनल के साथी — फैजान खान बने महामंत्री और सलिल खंडेलवाल बने कोषाध्यक्ष। हर 3 वर्ष में होने वाला यह चुनाव इस बार भी पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। व्यापारियों में पूरे दिन गहमागहमी और जोश देखने को मिला। अध्यक्ष पद प्रत्याशी जाकिर हुसैन कहा "मैं हार के बाद भी व्यापारियों का सेवक बनकर रहूंगा। यह मेरे जीवन

का पहला अनुभव था। शायद मैं 33 व्यापारियों का दिल नहीं जीत पाया, लेकिन मुझे विश्वास है — कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। मैं नव नियुक्त अध्यक्ष अलीमुद्दीन को दिल से बधाई देता हूँ।"

घाटगेट बाजार में नए व्यापार मंडल के गठन के साथ एक नई शुरुआत हो गयी है। अब देखना होगा कि अलीमुद्दीन उर्फ कल्लू की टीम व्यापारियों की उम्मीदों पर कितना खरा उतरती है। उनके कंधों पर व्यापारियों ने फिर से बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

जयपुर पुलिस मुख्यालय में प्रदर्शनी में दिखी न्याय प्रणाली की नई सोच

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत की न्याय प्रणाली में हुए ऐतिहासिक बदलाव और 'दंड' से 'न्याय' की ओर बढ़ते कदमों का जश्न शनिवार को जयपुर स्थित पुलिस मुख्यालय (PHQ) में

मनाया गया। नए आपराधिक कानूनों—भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, व भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023—के एक वर्ष पूरे होने पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (DGP) राजीव शर्मा और मुख्य सचिव (CS) सुधांश पंत सहित राज्य के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और नए कानूनों के सकारात्मक प्रभाव की सराहना की। प्रदर्शनी में यह दर्शाया गया कि कैसे इन नए कानूनों ने 160 साल पुरानी औपनिवेशिक प्रणाली को बदलकर न्याय का स्वरूप बदल दिया है। इसमें तकनीक के उपयोग, समयबद्ध जांच और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण जैसी नई सोच को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। DGP राजीव शर्मा ने कहा कि यह नए कानून पुलिस को अधिक जवाबदेह और जनता के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। वहीं, मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इसे भारत के कानूनी इतिहास में एक मील का पत्थर बताया, जो सच्चे अर्थों में न्याय को सुलभ बना रहा है।

एच एस मनोज स्वामी को संजय सर्किल थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा IPS ने बताया कि एक महिला परिवादिया दिनांक 17 सितम्बर 2025 को देवली टोंक से जयपुर आई थी जो सिंधी कैम्प बस स्टेण्ड से उतरकर समय लगभग 10.45 AM पर सिंधी कैम्प के बाहर आ कर बेट्री रिक्शे में बैठकर चॉदपोल के लिए जा रही थी, तो पीछे से एक ओरेन्ज कलर की स्कुटी पर सवार एक शख्स परिवादिया के हाथ से पर्स छिनकर भाग गया था। जिस संबंध में पुलिस थाना संजय सर्किल पर एफआईआर नम्बर 158/25 धारा 304 (2) BNS में दर्ज कर माल मुलजिमान की पतारसी हेतु सहायक पुलिस आयुक्त वृत्त कोतवाली जयपुर उत्तर अनुप सिंह RPS के निर्देशन में उमेश बेनीवाल पु०नि० थानाधिकारी संजय सर्किल के नेतृत्व में टीमें गठित की गई। गठित टीमों द्वारा परिवादिया द्वारा मुलजिम व दुपहिया वाहन के बताये हुलिये के आधार पर घटनास्थल व आसपास के दर्जनों सीसीटीवी विश्लेषण व तकनीकी आधार पर स्नैचिंग करने वाले मुलजिम व वाहन को चिन्हित कर मुलजिम मनोज स्वामी उर्फ

मन्नु पुत्र स्व. महेश कुमार उम्र 25 साल निवासी म.न. 177, स्वामी बस्ती, पारीक कोलेज के पास, कान्तिचन्द्र रोड जयपुर को थाना संजय सर्किल के उपरोक्त प्रकरण में स्नैचिंग किये पर्स मोबाइल सहित दिनांक 09.10.2025 को गिरफतार करने में सफलता प्राप्त की है। साथ ही मुलजिम द्वारा वारदात में प्रयुक्त स्कूटी रजि० न० RJ 60 SS 5207 भी गिरफतारशुदा मुलजिम के कब्जे से बरामद की गई है। गिरफतारशुदा मुलजिम शातिर किस्म का स्नैचर है जिसके खिलाफ पूर्व से एक दर्ज से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज है एवं उक्त मुलजिम पुलिस थाना सिंधी कैम्प का सक्रिय एचएस अपराधी है। जो अन्य जगहों से जयपुर सिंधी कैंप बस स्टेंड पर आने वालें यात्रियों को निशाना बनाता है, जिससे स्नैचिंग की अन्य वारदातों के संबंध में गहन अनुसंधान जारी है।

10 करोड़ के फर्जीवाड़े का भंडाफोड़, 9 साजिशकर्ता गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और करोड़ों की ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी (साइबर क्राइम) राजर्षि राज वर्मा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में करीब 10 करोड़ रुपये के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। यह गिरोह पत्रकार कॉलोनी और श्यामनगर इलाके से अपना नेटवर्क चला रहा था।

किराये के बैंक खातों से देशभर में ठगी-

डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि यह गिरोह देशभर के 30 से अधिक राज्यों में सक्रिय था। आरोपी भोले-भाले लोगों से किराये पर बैंक खाते लेते थे और फिर उन खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टे और अन्य साइबर ठगी के पैसों के लेनदेन के लिए करते थे। इन खातों के खिलाफ देशभर से शिकायतें दर्ज थीं।

170 जगहों पर छापेमारी, भारी मात्रा में सामान जब्त-

इस बड़े ऑपरेशन के लिए साइबर सेल ने 170 बिंदुओं पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 6 अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है, जिसमें शामिल हैं: 56 एटीएम कार्ड, 32 मोबाइल फोन, 8 चेकबुक,फर्जी कंपनियों की मुहरें और दस्तावेज पुलिस ने बताया कि पिछले एक साल में जयपुर साइबर सेल ने 8 करोड़ रुपये से अधिक की डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपियों से अब उनके नेटवर्क के अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

सड़क किनारे मरे जानवर डाले और पत्थर डालकर अतिक्रमण किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जमवा रामगढ़ रोड सायपुरा पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे पत्थर डालकर अतिक्रमण एवं मरे हुए जानवर डालने से फैली हुई दुर्गंध से आसपास के दुकानदार, निवासी एवं राहगीर परेशान हो रहे है। परेशान लोगों ने बताया कि कुछ लोग ट्रेक्टर-ट्रॉली भरकर पत्थर पहाड़ों से लाते है और सड़क किनारे खालीकर देते है। बाद में इनको बेचते रहते है। इसी तरह कुछ लोग यहां सड़क किनारे मरे हुए जानवर फैक कर चले जाते है। मरे जानवरों की दुर्गंध से यहां के

दुकानदार, निवासी और राहगीर परेशान होते हुए भी कुछ नही कर पा रहें है। ग्राम पंचायत और नगर निगम हेरिटेज के अधिकारी शिकायत करने के बाद भी ध्यान नहीं दे रहें है। दूसरी तरफ यहां के लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

योगी को लगा बड़ा झटका!

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिनको वेटिंग प्रधानमंत्री भी माना जाता है, को बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले कहा करते थे कि तालिबानी सोच आतंकवादी सोच है। तालिबानी क्रूर और मानवता पर कलंक है। योगी ने उत्तरप्रदेश विधानसभा में कहा था कि तालिबान का समर्थन करना आतंकवाद का समर्थन करने के बराबर है। सांसद जियाउर रहमान बिर्क ने तालिबान द्वारा अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को अफगानिस्तान से खदेड़ने के संग्राम को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समान बताया था। उस समय योगी सरकार ने संसद बिर्क के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी। तालिबान के पक्ष में बोलने पर उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने कई प्रकार की सख्ती की थी। लेकिन वही योगी सरकार और उत्तरप्रदेश प्रशासन अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की उत्तर प्रदेश के देवबंद जो इस्लामिक शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र है, गए एवं वहां की शिक्षाओं की तारीफ भी की। जबकि योगी सरकार में देवबंद को अच्छी नजरों से नहीं देखा जाता है। इसके बाद अफगान विदेश मंत्री आगरा के ताजमहल भी गए। मुख्यमंत्री योगी के विधानसभा और अन्य जगह दिए गए भाषणों का वीडियो वायरल हो रहा है। एक और बात सभी की जानकारी में नहीं है कि तालिबान हजरत मोहम्मद स.अ. से सबसे ज्यादा मोहब्बत करते हैं और हजरत मोहम्मद स.अ. की आलोचना करने वालों को पसंद नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश की विपक्षी पार्टिया मुख्यमंत्री योगी द्वारा पिछले वर्षों में दिए गए भाषणों और वक्तव्यों को लेकर मजाक उड़ा रही है। सांसद जियाउर रहमान बिर्क ने कहा कि अब किसके खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। तालिबान का समर्थन करने वाला तो आतंकवादी होता है। विपक्षी एवं काफी लोगों का कहना है कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विचारधारा बदल रही है, या मुसलमानों के प्रति उनका नजरिया बदल रहा है, या फिर किसी के दबाव में योगी जी चुप्पी साध रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी और दिल्ली वालों के बीच चल रही लड़ाई में योगी हार रहे हैं। क्या मुख्यमंत्री योगी अब वेटिंग प्राइममिनिस्टर की पदवी खोने जा रहे हैं। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की सफल देवबंद और आगरा के ताजमहल की यात्रा से ऐसा ही लग रहा है। क्योंकि योगी आदित्यनाथ की छवि एक विशेष समुदाय एवं दलितों के खिलाफ रही है। उनके भाषण शैली में लोकप्रियता हिंदुओं के बीच इसलिए है कि वह एक विशेष समुदाय के खिलाफ अनाप-शनाप बोलते हैं। यदि योगी जी ने यह विशेष शैली छोडी, जिस प्रकार अफगानी विदेश मंत्री के दौरे के समय दिखाई दी, तो वह अपनी लोकप्रियता खो देंगे और प्रधानमंत्री के दावेदार भी नहीं रहेंगे। भारत में अफगान विदेश मंत्री की यात्रा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए बड़ा झटका है।

मौत को कसरत से याद करो

वाक़िआ ये है कि इस दुनिया में ज़रा सा कोई मामूल के ख़िलाफ़ सफ़र दरपेश आ जाए तो उसकी पहले से तैयारियां हैं, उसके तज़किरे हैं, उसके लिए पहले से क्या कुछ मंसूबे बनाए जाते हैं, लेकिन जब आख़िरत का सफ़र पेश आता है और वो सफ़र भी ऐसा है बैठे बैठे पेश आ जाता है। पहले मालूम होता है कि साहब मेरे बग़ैर इस दुनिया की गाड़ी नहीं चल सकती। मैं नहीं हूंगा तो बच्चों का क्या होगा? बीवी का क्या होगा? और कारोबार का क्या होगा? वो वक़्त आ रहा है लेकिन हम और आप इसके बारे में सोचने के लिए तैयार नहीं। अपने हाथों से जनाज़ों को कंधे देते हैं, अपने हाथों से अपने प्यारों को क़ब्र में उतारते हैं, अपने हाथों से उनको मिट्टी दे कर आते हैं। लेकिन ये समझ कर बैठ जाते हैं कि उनके साथ हो गया ये वाक़िआ। हमारा इसके साथ क्या ताल्लुक़?

सरकार-ए-दो आलम हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम फ़रमाते हैं: "लज़्ज़तों को ख़त्म करने वाली चीज़ यानी मौत को कसरत से याद किया करो।"

ज़रा हम अपना जायज़ा लें कि चौबीस घंटों में से कितना वक़्त हम इस मौत को याद करने में सर्फ़ करते हैं? बहर हाल, इस हदीस के ज़रिए हुज़ूर-ए-अक़दस सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने बतला दिया कि तुम्हारी बुनियादी बीमारी ये है कि तुम आख़िरत से ग़ाफ़िल हो। आख़िरत अगर तुम्हारे पेश-ए-नज़र हो जाए, आख़िरत तुम्हारी आंखों के सामने आ जाए और उसकी फ़िक्र तुम्हारे दिल व दिमाग़ पर सवार हो जाए, तुम्हारी सारी ज़िंदगी की मुश्किलात ख़त्म हो जाएं। सारे जराइम, सारी बद-आमाली, सारी बद-उनवानी इस बुनियाद पर हैं कि इसी दुनिया के गिर्द हमारा दिमाग़ चक्कर लगा रहा है, आख़िरत की तरफ़ नहीं देखता, आख़िरत को नहीं सोचता। इसका माल हड़प कर लूं, इसका हक़ ज़ाए कर दूं, इसका ख़ून पी जाऊं। ये सब इसलिए करता है ताकि मेरी दुनिया दुरुस्त हो जाए। मरने के बाद क्या होगा, इसकी कुछ फ़िक्र नहीं।

और ये फ़िक्र सरवर-ए-कौनैन हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने पैदा की, और ये जो कुछ आप सीरत के अंदर अमन व अमान के, सुकून और इत्मीनान के वाक़िआत पढ़ते हैं, वो दर-हक़ीक़त इस फ़िक्र-ए-आख़िरत का नमूना हैं, कि दिल व दिमाग़ पर हर वक़्त जन्नत का ख़्याल छाया हुआ है कि अल्लाह के सामने पेश होना है, वो जन्नत नज़र आ रही है और उस जन्नत के ख़्याल में, अल्लाह तबारक व तआला के सामने पेश होने के ख़्याल में इंसान जो काम करता है वो अल्लाह तआला को राज़ी करने वाला करता है।

उर्दू और हिंदी कवि एवं गीतकार थे निदा फाजली

मुक्तिदा हसन निदा फ़ाज़ली, जिन्हें निदा फ़ाज़ली के नाम से जाना जाता है (12 अक्टूबर 1938 - 8 फरवरी 2016, एक प्रमुख भारतीय उर्दू और हिंदी कवि, गीतकार और संवाद लेखक थे। साहित्य में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा 2013 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

नई दिल्ली में एक कश्मीरी मुस्लिम परिवार में जन्मे निदा फ़ाज़ली [1] ग्वालियर में पले-बढ़े जहाँ उन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त की और बाद में अंग्रेज़ी साहित्य का अध्ययन किया। पिता भी एक प्रसिद्ध उर्दू कवि थे। उनके दो अन्य भाई, तस्लीम फ़ाज़ली और सबा फ़ाज़ली भी प्रमुख नाम थे। फ़िल्मों, कविताओं और गीतों के माध्यम से साहित्य में उनके योगदान को आज भी भारत और पाकिस्तान दोनों जगह उनके प्रशंसक याद करते हैं।

भारत के विभाजन के अठारह साल बाद, 1965 में उनके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य पाकिस्तान चले गए । हालाँकि, उन्होंने भारत में ही रहने का फैसला किया।] यह घटना फ़ाज़ली के ग्वालियर से मुंबई (1964 में) आजीविका कमाने के लिए आने के एक साल बाद हुई। माता-पिता का यह जाना उनके जीवन की एक युगांतकारी घटना थी, जिसका दर्द और प्रभाव जीवन भर उनके साथ रहा।

फ़ाज़ली की दो शादियाँ हुईं। उनकी दूसरी पत्नी मालती जोशी थीं। उनकी एक बेटी, तहरीर, हुई। युवावस्था में, फ़ाज़ली एक हिंदू मंदिर के पास से गुज़र रहे थे जहाँ एक भजन गायक सूरदास की एक रचना गा रहा था जिसमें राधा अपने प्रिय कृष्ण से वियोग में अपनी दासियों के साथ अपना दुःख साझा कर रही थीं । पद की काव्यात्मक सुंदरता, जो मनुष्यों के बीच घनिष्ठ संबंध और बंधन से संबंधित है, ने निदा को कविताएँ लिखने के लिए प्रेरित किया। उस दौर में, उन्हें लगा कि उर्दू शायरी में कुछ सीमाएँ हैं। उन्होंने अपनी मनचाही अभिव्यक्ति के लिए मीर और ग़ालिब के सार को आत्मसात किया । वे मीरा और कबीर के काव्यात्मक भावों से प्रभावित थे और उन्होंने टीएस एलियट , गोगोल और एंटोन चेखव का अध्ययन करके कविता के अपने ज्ञान को बढ़ाया ।

वह 1964 में नौकरी की तलाश में मुंबई चले गए। अपने करियर के शुरुआती दिनों में, उन्होंने धर्मयुग और ब्लिट्ज़ में लिखा । उनकी काव्य शैली ने फिल्म निर्माताओं और हिंदी और उर्दू साहित्य के लेखकों का ध्यान आकर्षित किया। उन्हें अक्सर मुशायरों में आमंत्रित किया जाता था, जो किसी की अपनी कविता के प्रतिष्ठित पाठ सत्र थे। वे अपनी सुंदर प्रस्तुति और ग़ज़ल, दोहा और नज़्मों के लिए बोलचाल की भाषा के विशेष प्रयोग के लिए पाठकों और ग़ज़ल गायकों के बीच जाने जाते थे, जबकि अपनी कविता को सरल बनाने के लिए अलंकृत फ़ारसी कल्पना और मिश्रित शब्दों से बचते थे। उन्होंने प्रसिद्ध दोहा लिखा: 'दुनिया जिसे कहते हैं जादू का खिलौना है मिल जाए तो मिट्टी है खो जाए तो सोना है'।

उनके कुछ प्रसिद्ध फिल्मी गीतों में आ भी जा (सुर), तू इस तरह से मेरी जिंदगी में (आप तो ऐसे न थे) और होश वालों को खबर क्या (सरफरोश) शामिल हैं। उन्होंने अपनी पुस्तक मुलाकातें में साठ के दशक के समकालीन कवियों की आलोचना करते हुए निबंध लिखे, जिससे साहिर लुधियानवी , अली सरदार जाफरी और कैफी आजमी जैसे कवि नाराज हो गए । नतीजतन, कुछ काव्य सत्रों में उनका बहिष्कार किया गया। उनका करियर तब बेहतर हुआ जब फिल्म निर्माता कमाल अमरोही ने उनसे संपर्क किया। फिल्म रजिया सुल्तान (1983) पर काम कर रहे मूल गीतकार जान निसार अख्तर की परियोजना पूरी होने से पहले ही मृत्यु हो गई थी। निदा ने अंतिम दो गीत लिखे और अन्य हिंदी फिल्म निर्माताओं को आकर्षित किया।

उनके प्रसिद्ध गीत आप तो ऐसे ना थे , इस रात की सुबह नहीं (1996) और गुड़िया में भी इस्तेमाल किए गए थे। उन्होंने सैलाब , नीम का पेड़ , जाने क्या बात हुई और ज्योति जैसे टीवी धारावाहिकों के शीर्षक गीत लिखे । "कोई अकेला कहाँ" रचना कविता कृष्णमूर्ति द्वारा गाई गई एक और लोकप्रिय रचना है। उनकी ग़ज़लें और अन्य रचनाएँ उस समय के उल्लेखनीय कलाकारों द्वारा गाई जाती हैं। उन्होंने 1994 में जगजीत सिंह के साथ मिलकर इनसाइट नामक एक एल्बम लाया , जिसे इसकी भावपूर्ण कविता और संगीत के लिए सराहना मिली। अपनी मृत्यु से कुछ समय पहले उन्होंने विभिन्न समकालीन मुद्दों और साहित्य पर बीबीसी हिंदी वेबसाइट के लिए कॉलम लिखे थे। मिर्ज़ा ग़ालिब की रचनाओं का अक्सर उनके द्वारा उल्लेख किया जाता था।

शैली

निदा फ़ाज़ली विविध मनोभावों के कवि हैं और उनके लिए रचनात्मक भावना और आंतरिक प्रेरणा ही कविता के स्रोत हैं। उनका मानना है कि एक कवि की भावना एक कलाकार के समान होती है: एक चित्रकार या संगीतकार की तरह। इसके विपरीत, उन्हें गीत लेखन एक यांत्रिक कार्य लगता था क्योंकि उन्हें पटकथा और निर्देशक की माँगों को पूरा करना होता था। बाद में उन्होंने धन की व्यावहारिक आवश्यकता को स्वीकार किया जो गीत लेखन से आता है और रचनात्मक कार्य पर विचार करने में मदद करता है। उन्होंने 1969 में उर्दू कविता का अपना पहला संग्रह प्रकाशित किया। बचपन की कल्पनाएँ उनकी कविताओं में पुरानी यादों के तत्वों के रूप में लगातार झलकती हैं । उनकी कविताओं में प्रमुख विषय जीवन के अंतर्विरोध, उद्देश्य की खोज, मानवीय रिश्तों की बारीकियाँ, व्यवहार और उपदेश के बीच का अंतर और जो खो गया है उसे ढूँढ़ना हैं।

सांप्रदायिक सद्भाव में योगदान

निदा फ़ाज़ली भारत के विभाजन से असहमत थे और उन्होंने सांप्रदायिक दंगों, राजनेताओं और कट्टरवाद के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई थी। दिसंबर 1992 के दंगों के दौरान सुरक्षा चिंताओं के कारण उन्हें अपने दोस्त के घर में शरण लेनी पड़ी थी।

सांप्रदायिक सद्भाव पर लेखन के लिए उन्हें राष्ट्रीय सद्भाव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने उर्दू, हिंदी और गुजराती में 24 किताबें लिखीं - जिनमें से कुछ महाराष्ट्र में स्कूली पाठ्यपुस्तकों के रूप में दी गई हैं । उनकी कुछ रचनाएँ राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की हिंदी पाठ्यपुस्तकों में भी मौजूद हैं, जिन्हें लाखों छात्र पढ़ते हैं। उन्हें अपने आत्मकथात्मक उपन्यास दीवारों के बीच के लिए मध्य प्रदेश सरकार से मीर तकी मीर पुरस्कार मिला ।

फ़ाज़ली का 8 फ़रवरी 2016 को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया । उनकी मृत्यु के समय उनकी आयु 77 वर्ष थी। उनका निधन ग़ज़ल गायक जगजीत सिंह की 75वीं जयंती पर हुआ, जिनके साथ उन्होंने कई गीतों पर काम किया था।

17 अक्टूबर जयंती पर विशेष आलेख....

आधुनिक भारत के महान समाज सुधारक, शिक्षाविद "सर सैयद अहमद खान"

सर सैयद अहमद खान आधुनिक भारत के महान समाज सुधारक, शिक्षाविद, और विचारक थे, जिनका जन्म 17 अक्टूबर 1817 को दिल्ली में हुआ था और जिनका जीवन मुस्लिम समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने न केवल सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष किया, बल्कि शिक्षा और आधुनिक विज्ञान को अपनाने की वकालत भी की। उनके प्रयासों का परिणाम अलीगढ़ आंदोलन, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) की स्थापना और भारतीय मुस्लिम समाज का पुनर्जागरण रहा।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा-

सर सैयद अहमद खान का जन्म दिल्ली में एक संभ्रांत मुस्लिम परिवार में हुआ था, जो मुगल दरबार से जुड़े थे। उनके पिता सैयद मुतक्की मुहम्मद शाह अकबर सानी के सलाहकार थे। उनको बचपन से ही कुरान, विज्ञान, गणित, चिकित्सा, फारसी, अरबी और उर्दू की शिक्षा मिली। 22 वर्ष की उम्र में पिता के निधन के बाद वे भाई की पत्रिका में संपादक के रूप में कार्यरत हुए, और दिल्ली की पहली उर्दू प्रिंटिंग प्रेस से जुड़े। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण विषयों की विविधता में दिखाई देता है—उन्होंने एडिनबर्ग विश्वविद्यालय से कानून की मानद उपाधि भी प्राप्त की थी।ब्रिटिश भारत के प्रशासनिक अनुभव अपने परिवार के मुगल दरबार से जुड़े होने के बावजूद, उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी में क्लर्क और फिर 1841 में मैनपुरी के उप न्यायाधीश के तौर पर सरकारी सेवाओं में प्रवेश लिया । 1857 के विद्रोह के पड़ाव ने सर सैयद के जीवन को बदल दिया। ब्रिटिश नीति की आक्रामकता और मुसलमानों की हार ने उन्हें भारतीय समाज की स्थितियों की गंभीरता समझाई। उन्होंने 'असबाब-ए-बघावत-ए-हिंद' नामक पुस्तक लिखकर भारतीय विद्रोह के कारणों को विश्लेषित किया, जिसमें ब्रिटिश प्रशासन की नीतियों की आलोचना की गई। शिक्षा सुधार और वैज्ञानिक चेतनासर सैयद ने मुसलमानों के पिछड़ेपन के मूल में शिक्षा की कमी को पहचाना । उनका मानना था कि मुस्लिम समाज को आधुनिक विज्ञान और अंग्रेजी भाषा अपनानी चाहिए। उन्होंने 1863 में 'साइंटिफिक सोसाइटी' की स्थापना की, जो इंग्लैंड की रॉयल सोसाइटी पर आधारित थी, और वैज्ञानिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया। मार्च 1866 में 'अलीगढ़ इंस्टिट्यूट गजेट' नामक पत्रिका प्रकाशित की, जिसने मुस्लिम समाज की सोच बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 'तहज़ीबुल अख्लाक' नामक पत्रिका से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाया।

अलीगढ़ आंदोलन एवं विश्वविद्यालय की स्थापना-

1875 में उन्होंने 'मुहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज' (MAOC) की स्थापना की, जो आगे चलकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ। कॉलेज ने मुस्लिम समाज में आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का काम किया। अलीगढ़ मूवमेंट ने मुस्लिम जागरूकता, आधुनिकता और प्रगतिशीलता को जन्म दिया, जिसका सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक प्रभाव लंबे समय तक रहा । यही आंदोलन अंततः द्वि-राष्ट्र सिद्धांत और पाकिस्तान के निर्माण के विचार का आधार बना।

सामाजिक-सांस्कृतिक सुधार-

सर सैयद ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास, बहुविवाह, बाल विवाह, सती प्रथा, विधवा पुनर्विवाह के विरोध और महिला शिक्षा जैसे विषयों पर खुलकर लिखा। वे हिंदू-मुस्लिम एकता और अंतर-धार्मिक संवाद के पक्षधर थे। कई समाज सुधारक, लेखक और राजनीतिक नेता उनके विचारों से प्रेरित हुए, जैसे मोहम्मद इक़बाल, अबुल कलाम आजाद, शिब्ली नोमानी उनके विचारों में तर्कशीलता, व्यावहारिकता और धर्मनिरपेक्षता की झलक थी।

सम्मान, विरासत और प्रभाव-

सर सैयद को ब्रिटिश सरकार द्वारा ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ इंडिया से सम्मानित किया गया। उनकी जन्म जयंती 'सर सैयद डे' के रूप में मनाई जाती है। अलीगढ़ विश्वविद्यालय आज भी उनकी विरासत का प्रतीक है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के कई प्रमुख नेता, साहित्यकार एवं विचारक पढ़े हैं। उनके नाम पर आज भी कई शिक्षण संस्थान हैं।सर सैयद अहमद खान ने भारतीय समाज विशेषकर मुस्लिम समुदाय के उत्थान के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक सुधार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण को जीवन में प्राथमिकता दी। उनका योगदान न केवल मुस्लिम समाज को आधुनिकता की ओर ले गया, बल्कि उन्होंने भारत के राष्ट्रीय निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी दूरदृष्टि, संघर्ष और समर्पण आज भी प्रेरणा स्रोत है और उनकी विरासत सदैव अमर रहेगी।

इस्लामिक दार्शनिक- इब्ने रुश्द

इब्न रुश्द को लैटिन में एवररोज़ भी कहा जाता है, 12वीं सदी के एक इस्लामी दार्शनिक और बहुत विषयों के ज्ञाता थे, जिन्होंने दक्षिणी स्पेन और उत्तरी अफ्रीका में खिलाफत के लिए काम किया । उन्होंने पश्चिमी दर्शन, विशेष रूप से अरस्तू के दर्शन का अध्ययन किया और इसे इस्लामी चिंतन पर लागू किया, यह दावा करते हुए कि दोनों संगत हैं।

इब्ने रुश्द का जन्म एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था, जो इस्लामी कानून और विद्या के लिए जाना जाता था। उनके दादा और पिता दोनों कॉर्डोबा (स्पेन) के प्रमुख क़ाज़ी (न्यायाधीश) रहे थे और दादा क़ाज़ी के साथ-साथ अल्मोराविड्स के तहत कॉर्डोबा की महान मस्जिद के इमाम भी थे। इब्ने रुश्द अंदलुस (स्पेन) के इस्लामी "स्वर्ण युग" के सबसे बड़े इस्लामिक दार्शनिकों में से एक दार्शनिक माने जाते हैं। इब्ने रुश्द ने कॉर्डोबा, सेविल, और मारकेश में शिक्षा प्राप्त की और इस्लामी कानून (फिक्ह), चिकित्सा, गणित, खगोलशास्त्र, और दर्शनशास्त्र में गहरी रुचि दिखाई। इब्ने रुश्द अरस्तू के विचारों के सबसे बड़े व्याख्याकार बने।

इब्ने रुश्द मध्ययुग के सबसे प्रभावशाली विचारकों में से एक थे, जिन्होंने इस्लामी और पश्चिमी दर्शन के बीच एक सेतु का निर्माण किया। उनके कार्यों ने न केवल इस्लामी दुनिया को प्रभावित किया, बल्कि यूरोपीय पुनर्जागरण और आधुनिक दर्शन के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सन् 1270 और 1277 ईस्वी में कैथोलिक चर्च द्वारा उनके कार्यों की निंदा भी की गई थी। उनकी विरासत आज भी दर्शन, विज्ञान, और चिकित्सा के अध्ययन में जीवित है ।

इब्ने रुश्द का पूरा नाम: अबुल वलीद मुहम्मद इब्न अहमद इब्न रुश्द था और उनका जन्म: 1126 ई., कॉर्डोबा (अन्दलुस/स्पेन) में हुआ था। इब्ने रुश्द की मौत 10 ददिसम्बर सन् 1198 ई. मारकेश (मोरक्को) में हुई थी। बाद में उनका जनाज़ा कॉर्डोबा (स्पेन) ले जाया गया।

इब्न रुश्द ने ग्रीक दार्शनिक अरस्तू की लगभग सभी किताबों की शरह (व्याख्या) की।उन्होंने कोशिश की कि इस्लाम और तर्कशास्त्र को एक-दूसरे के करीब लाया जाए।उनका मानना था कि क़ुरआन तर्क के खिलाफ़ नहीं है, बल्कि गहरे स्तर पर दोनों एक ही सच को दर्शाते हैं।

उनकी प्रसिद्ध किताबें:

"तहाफ़ुत-ए-तहाफ़ुत" है। यह किताब इमाम ग़ज़ाली की मशहूर किताब "तहाफ़ुतुल फ़लासिफ़ा" का जवाब थी। इमाम ग़ज़ाली ने दार्शनिकों को गुमराह कहा था, इब्न रुश्द ने उनकी आलोचना का जवाब देते हुए दर्शन की रक्षा की। फिक्ह (क़ानून) के क्षेत्र में उन्होंने अपने सभी पूर्ववर्तियों को पीछे छोड़ दिया, क़ानूनी कार्यप्रणाली, क़ानूनी घोषणाओं, बलिदान और भूमि करों पर लेखन किया। उन्होंने स्वच्छता, विवाह, जिहाद और गैर-मुसलमानों के साथ सरकार की भूमिका जैसे विविध विषयों पर चर्चा भी की।

इब्ने रुश्द मालिकी फ़िक़्ह (मसलक) के विद्वान और बड़े क़ाज़ी रहे। उन्होंने किताब "बिदायतुल मुज्तहिद वा निहायतुल मुक्तसिद" लिखी, जो मुख्यतः फ़िक़्ही मसलों का तुलनात्मक अध्ययन है। इसमें इमाम हनीफा र अ, इमाम मालिक र. अ, इमाम शाफाई र. अ. और इमाम हंबल र. अ. यानि चारों इमामों के मतों की व्याख्या है। उन्होंने क़ानून-फी-तिब्ब , जैसी किताबों पर शरह की और अपनी भी चिकित्सकीय किताबें लिखीं। उनके मेडिकल लेखन यूरोप में लैटिन में अनुवाद हुए और सदियों तक यूनिवर्सिटियों में पढ़ाए जाते रहे। इब्न रुश्द इस्लामी इतिहास में वह शख़्सियत हैं जिन्होंने: अरस्तू और इस्लाम को जोड़ने की कोशिश की, फ़िक़्ह, तिब्ब और दर्शन—तीनों में गहरी छाप छोड़ी और यूरोप में विज्ञान व दर्शन की ज़मीन तैयार की।

-फ़ज़लुर्रहमान

रेलवे में 2570 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से जूनियर इंजीनियर, डिपो मटेरियल सुपरिटेंडेंट, केमिकल एंड मेटलर्जिकल असिस्टेंट के पदों पर भर्ती का शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इन पदों पर आवेदन प्रक्रिया 31 अक्टूबर, 2025 से शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
31 अक्टूबर से 30 नवम्बर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में बी.ई/बीटेक
या कंप्यूटर साइंस, आईटी में डिप्लोमा/डिग्री
या केमिस्ट्री और फिजिक्स के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री

आयु सीमा :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
आयुसीमा की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी।
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को छूट मिलेगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी-I
सीबीटी-II
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जामिनेशन

सैलरी :
35400 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

DDA ने 1732 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 40 साल

दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) ने विभिन्न ग्रुप ए, बी और सी पदों पर भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के तहत जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, स्टेनोग्राफर, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर सहित 1732 पदों पर भर्ती होगी।

आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार डीडीए की ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी 5 नवंबर तय की गई है।

आवेदन शुरू :
06 ऑक्टूबर से 05 नवंबर 2025 तक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, महिला, दिव्यांग : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन लिखित परीक्षा
स्किल टेस्ट
टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी :
7वें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार
अन्य अलाउंस का लाभ भी दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाएं।
वेबसाइट पर उपलब्ध "ऑनलाइन आवेदन" लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
जरूरी डिटेल्स भरें और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

DRDO में 195 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रक्षा अनुसंधान एंव विकास संगठन (DRDO) ने 195 पदों पर भर्ती निकाली है। यह भर्ती ट्रेनिंग अनुसंधान केंद्र के लिए की जाएंगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट drdo.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
27 सितंबर से 28 अक्टूबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस :
ECE, EEE, CSE, मैकेनिकल और केमिकल इंजीनियरिंग में बीई, बीटेक की डिग्री
टेक्निकल अप्रेंटिसशिप
ECE, EEE, CSE, मैकेनिकल और केमिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
ट्रेड अप्रेंटिस
संबंधित ट्रेड जैसे फिटर, वेल्डर, टर्नर, मैकेनिस्ट, मैकेनिक डीजल, इलेक्ट्रॉनिक-मैकेनिक, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, लाइब्रेरी असिस्टेंट और COPA उम्मीदवार अप्लाई कर सकते हैं।
वे उम्मीदवार जिन्होंने 2021, 2022, 2023, 2024 और 2025 में ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और आईटीआई में 70% या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे ही आवेदन कर सकते हैं।

एज लिमिट :
न्यूनतम 18 वर्ष
स्टाइपेंड :
पद के अनुसार 8000 - 9000 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
क्वालिफिकेशन के बेसिस पर शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
बीई/बीटेक/डिप्लोमा उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन के लिए nats.education.gov. in और आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस के लिए apprenticeshipindia.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना होगा।
यहां रिसर्च सेंटर इमारत एनरोलमेंट आईडी- STLRA-CO00010 के जरिए आप संबंधित ट्रेड में आवेदन की प्रक्रिया शुरू करें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
- royalpatrika@gmail.com
- +91-9772552446

एमपी में 500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (MPESB) ने 500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस बार पुलिस मुख्यालय, गृह विभाग के अंतर्गत सूबेदार (अनुसचिवीय), स्टेनोग्राफर और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) के 500 पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

आवेदन में करेक्शन के लिए 22 अक्टूबर तक मौका दिया जाएगा। भर्ती परीक्षा का आयोजन 10 दिसंबर 2025 से किया जाएगा।

आवेदन शुरू :
03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
1. सूबेदार (अनुसचिवीय) स्टेनोग्राफर
12वीं पास।
मान्यता प्राप्त परिषद/बोर्ड/पॉलिटेक्निक/आईटीआई से 100 शब्द प्रति मिनट की स्टेनोग्राफी परीक्षा पास।
CPCT एग्जाम पास जिसमें हिन्दी टाइपिंग शामिल हो।
DOEACC से डिप्लोमा स्तर की परीक्षा पास या
आईटीआई से "COPA" (कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) का एक वर्षीय कोर्स
या मान्यता प्राप्त संस्थान से आधुनिक कार्यालय प्रबंधन पाठ्यक्रम या
UGC मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर डिप्लोमा।
2. एएसआई (सहायक उप निरीक्षक – अनुसचिवीय)
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास।
CPCT सर्टिफिकेट के साथ हिन्दी टाइपिंग पास होना चाहिए।
MCA / BCA / कम्प्यूटर साइंस / आईटी की डिग्री
या AICTE से मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक डिप्लोमा
या DOEACC डिप्लोमा
या आईटीआई से "COPA" एक वर्षीय कोर्स
या आधुनिक कार्यालय प्रबंधन पाठ्यक्रम
या UGC मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर डिप्लोमा।

फीस :
सामान्य/अनारक्षित : 500 रुपए
एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 250 रुपए

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
सूबेदार : 36,200 - 114800 रुपए प्रतिमाह
एएसआई : 19,500-6200 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
प्रैक्टिकल एग्जाम
एग्जाम पैटर्न :
रिटन एग्जाम :
इसमें सामान्य ज्ञान, बौद्धिक क्षमता और गणित-विज्ञान से प्रश्न पूछे जाएंगे।
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

प्रैक्टिकल एग्जाम :
शॉर्टहैंड परीक्षा
दोनों परीक्षा के लिए 100-100 अंक तय किए गए हैं।

ऐसे करें आवेदन :
MPESB की ऑफिशियल वेबसाइट esb.mp.gov.in पर जाएं।

SSC CAPF SI भर्ती 2025 के लिए आवेदन शुरू, 3073 वैकेंसी

कर्मचारी चयन आयोग ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और दिल्ली पुलिस में SI के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के माध्यम से SI के 3073 पदों को भरा जाएगा। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

फीस का भुगतान 17 अक्टूबर तक किया जा सकेगा। परीक्षा का आयोजन नवंबर-दिसंबर 2025 में किया जाएगा। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर टोल फ्री नंबर - 1800-309-3063 पर संपर्क कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
26 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री

शारीरिक योग्यता :
हाइट :
पुरुष : 170 सेमी
महिला : 157 सेमी
पुरुष उम्मीदवारों की छाती : 80-85 सेमी फुलाव के साथ

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 25 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
एक्स सर्विसमैन : 3 साल की छूट

सैलरी :
35,400 - 1,12,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
एससी, एसटी, एक्स सर्विसमैन : नि:शुल्क
अन्य : 100 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
टियर - 1
टियर - 2
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
अगर आपने इससे पहले एसएससी का कोई फॉर्म नहीं भरा है, तो पहले Login or Register पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
अपनी बेसिक डिटेल्स भरें और रजिस्ट्रेशन, पासवर्ड जनरेट करें।
फिर लॉग-इन पर जाकर रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड दर्ज करें।
अब दिल्ली पुलिस एसआई भर्ती 2025 के लिंक पर क्लिक करें।
आपके सामने पूरा फॉर्म खुल जाएगा।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
सिग्नेचर और अपना लाइव फोटो कैप्चर करें।
कैटेगरी के मुताबिक फीस का भुगतान करें।
फॉर्म का फाइनल प्रिंट आउट निकालकर रखें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)

(नियमितता और सटीकता के साथ सफलता की ओर)

•यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा (पेपर-I: सामान्य अध्ययन) रणनीति

MCQs on राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ
अक्टूबर 2025 के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम: 50 विस्तृत MCQs
1-20: राष्ट्रीय घटनाक्रम (National Events)

1. अक्टूबर 2025 में पश्चिमी घाट में खोजी गई नई कॉफी प्रजाति का नाम क्या है?
a) ओफियोराइजा इंडिका b) ओफियोराइजा इचिनाटा c) कॉफिया अरेबिका d) कॉफिया रॉबस्टा
उत्तर:b) ओफियोराइजा इचिनाटा स्पष्टीकरण: यह खोज जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देती है। पश्चिमी घाट की वनस्पति संपदा को दर्शाती है, जो पर्यावरण और कृषि से संबंधित प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है।

2. NCRB 2023 की रिपोर्ट, जो अक्टूबर 2025 में चर्चा में थी, के अनुसार सबसे अधिक साइबरक्राइम मामले किस राज्य में दर्ज हुए?
a) कर्नाटक b) उत्तर प्रदेश c) तेलंगाना d) महाराष्ट्र
उत्तर: b) उत्तर प्रदेश स्पष्टीकरण: NCRB डेटा के अनुसार, UP में 20% से अधिक साइबरक्राइम मामले दर्ज हुए। यह डिजिटल सुरक्षा और GS-3 (आंतरिक सुरक्षा) के लिए प्रासंगिक है।

3. केरल सरकार ने अक्टूबर 2025 में कौन सी पहल शुरू की, जो मसाला-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देती है?
a) हेरिटेज ट्रेल b) स्पाइस रूट इनिशिएटिव c) ग्रीन टूरिज्म d) कल्चरल कोरिडोर
उत्तर: b) स्पाइस रूट इनिशिएटिव स्पष्टीकरण: यह पहल सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक विकास को जोड़ती है, जो पर्यटन और अर्थव्यवस्था पर प्रश्नों के लिए उपयोगी है।

4. 31वां डॉ. एमएस स्वामीनाथन अवॉर्ड 2025 किस संगठन को दिया गया?
a) नवधन्य b) साहजा समृद्धि c) ग्रीन इंडिया फाउंडेशन d) ऑर्गेनिक इंडिया
उत्तर: b) साहजा समृद्धि स्पष्टीकरण: मैसूर-आधारित यह संगठन जैविक और पारंपरिक खेती को बढ़ावा देता है। कृषि सुधारों पर फोकस।

5. NCRB 2023 के अनुसार, किस राज्य में सबसे अधिक किसान आत्महत्याएं दर्ज हुईं?
a) महाराष्ट्र b) मध्य प्रदेश c) आंध्र प्रदेश d) कर्नाटक
उत्तर: a) महाराष्ट्र स्पष्टीकरण: 4,000 से अधिक मामले, जो ग्रामीण संकट को दर्शाते हैं। GS-3 (कृषि) के लिए महत्वपूर्ण।

6. भारतीय वायुसेना दिवस 2025 कब मनाया गया?
a) 2 अक्टूबर b) 8 अक्टूबर c) 9 अक्टूबर d) 10 अक्टूबर
उत्तर: b) 8 अक्टूबर
स्पष्टीकरण: 1932 में स्थापना की 93वीं वर्षगांठ। हिंडन एयरबेस पर परेड और प्रदर्शन।

7. इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 का उद्घाटन किसने किया?
a) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू b) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी c) गृह मंत्री अमित शाह d) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण
उत्तर: b) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
स्पष्टीकरण: 8 अक्टूबर को यशोभारत, दिल्ली में। थीम: "इनोवेट टू ट्रांसफॉर्म"। 5G, AI, सेमीकंडक्टर पर फोकस।

8. PM-SETU योजना का उद्देश्य क्या है, जो अक्टूबर 2025 में शुरू हुई?
a) सड़क बुनियादी ढांचा b) ITI अपग्रेड c) स्वास्थ्य सुधार d) डिजिटल शिक्षा
उत्तर: b) ITI अपग्रेड स्पष्टीकरण: 8 अक्टूबर को MSDE द्वारा लॉन्च। ₹60,000 करोड़ निवेश, 1,000 ITI को उद्योग-प्रबंधित बनाना।

9. IRSA स्टैंडर्ड v1.0, जो 8 अक्टूबर 2025 को लॉन्च हुआ, किस संगठन ने विकसित किया?
a) ISRO b) DRDO c) BARC d) HAL
उत्तर: b) DRDO
स्पष्टीकरण: सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (SDR) के लिए। सेना, नौसेना, वायुसेना के लिए संचार मजबूती।

10. गोवा में 'महाजे घर' योजना का शुभारंभ 4 अक्टूबर 2025 को किसने किया?
a) नरेंद्र मोदी b) अमित शाह c) मनोहर लाल d) नितिन गडकरी
उत्तर: b) अमित शाह
स्पष्टीकरण: सरकारी भूमि पर घरों का नियमितीकरण। 11 लाख लाभार्थियों को पट्टा वितरण।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

आखों के लिए सबसे जरूरी विटामिन कौन सा है

-नज़र तेज करने के लिए क्या खाएं और कौन सी एक्सरसाइज करें ?

आंखें हमारे शरीर का सबसे अनमोल हिस्सा हैं। ये न केवल हमारे आसपास की दुनिया को देखने का माध्यम हैं, बल्कि हमारे शरीर और स्वास्थ्य के बारे में भी कई संकेत देती हैं। लेकिन आधुनिक जीवनशैली में आंखों पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। लंबा स्क्रीन टाइम, मोबाइल और कंप्यूटर का अधिक उपयोग, प्रदूषण, धूप में बिना सुरक्षा के रहना और असंतुलित खानपान आंखों की रोशनी पर असर डालते हैं। इसलिए आंखों की सही देखभाल और पोषण बेहद जरूरी है।

आंखों के लिए सबसे ज़रूरी विटामिन

आंखों की सेहत के लिए सबसे अहम विटामिन हैं:

विटामिन A (रेटिनोल): यह विटामिन आंखों की रोशनी के लिए बेहद जरूरी है। विटामिन A रेटिना में मौजूद रोधोप्सिन नामक पिगमेंट बनाने में मदद करता है, जो अंधेरे में देखने की क्षमता को बढ़ाता है। इसकी कमी से रात्रि में देखने में समस्या हो सकती है और गंभीर मामलों में अंधापन भी हो सकता है।

विटामिन C: विटामिन C एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह आंखों की लेंस और कॉर्निया को फ्री रेडिकल्स से बचाता है। विटामिन C मोतियाबिंद और उम्र से जुड़ी दृष्टि हानि को रोकने में मदद करता है।

विटामिन E: यह भी एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट है जो रेटिना को क्षति से बचाता है। विटामिन E आंखों में रक्त संचार सुधारने में भी मदद करता है और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दृष्टि समस्याओं को कम करता है।

विटामिन B1 (थायमिन): यह नर्वस सिस्टम को मजबूत करता है और आंखों के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है। विटामिन B1 की कमी से दृष्टि संबंधी समस्याएँ और आंखों में थकान हो सकती है।

विटामिन D: हाल के शोध बताते हैं कि विटामिन D आँखों की सूजन को कम करने और आँखों की मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह आंखों में शुष्कता और अन्य संक्रमणों को रोकने में सहायक है।

आंखों के लिए पोषक तत्व और आहार

विटामिन के साथ-साथ कुछ मिनरल्स और पोषक तत्व भी आंखों के लिए लाभकारी हैं: जिंक (Zinc): रेटिना और लेंस को स्वस्थ रखने में मदद करता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड: यह आंखों में सूखापन कम करता है और रेटिना की सुरक्षा करता है। ल्यूटिन और ज़ेयाक्सैंथिन: ये एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों के लिए सबसे अच्छे हैं। विशेषकर हरी पत्तेदार सब्ज़ियों में पाए जाते हैं।

आंखों को तेज करने वाले खाद्य पदार्थ

गाजर: विटामिन A से भरपूर, रात की रोशनी बढ़ाने और दृष्टि सुधारने में मदद करता है।

पालक और मेथी: ल्यूटिन और ज़ेयाक्सैंथिन के अच्छे स्रोत। ये रेटिना की सुरक्षा करते हैं।

अखरोट और अलसी: ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर, आंखों की सूखापन और थकान को कम करता है।

संतरा, नींबू, मौसंबी: विटामिन C से भरपूर, मोतियाबिंद जैसी समस्याओं से बचाते हैं।

अंडा और दही: विटामिन D और प्रोटीन का अच्छा स्रोत। आंखों के सेल्स को मजबूती देता है।

बादाम और सूरजमुखी के बीज: विटामिन E से भरपूर, आंखों की रोशनी और लेंस को स्वस्थ बनाए रखता है।

आंखों की व्यायाम और देखभाल

विटामिन और पोषण के साथ-साथ आंखों की नियमित व्यायाम और देखभाल बेहद जरूरी है। कुछ आसान व्यायाम हैं:

20-20-20 नियम: हर 20 मिनट स्क्रीन देखने के बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी चीज़ को देखें। इससे आंखों की थकान कम होती है।

पामिंग (Palming): हाथों को रगड़कर गर्म करें और आंखों पर हल्का दबाव डालकर ढक लें। 1-2 मिनट इस अवस्था में रहें। इससे आंखों की मांसपेशियां आराम पाती हैं।

आई रोटेशन: आंखों को घड़ी की दिशा में और फिर उल्टी दिशा में धीरे-धीरे घुमाएं। यह आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

फोकस बदलना: एक हाथ में पेंसिल पकड़कर उसे नज़दीक लाएँ और दूर करें, आंखों का फोकस बदलें। यह रेटिना और लेंस की लचीलापन बढ़ाता है।

ब्लिंकिंग एक्सरसाइज: लगातार स्क्रीन देखने से आंखें सूख जाती हैं। 10-15 बार तेजी से पलकें झपकाएँ। यह आंखों को हाइड्रेट करता है।

जीवनशैली और आंखों की सुरक्षा

स्क्रीन टाइम कम करें: लंबे समय तक मोबाइल और कंप्यूटर देखने से बचें। धूप से सुरक्षा: धूप में सनग्लासेज पहनें। UV किरणें आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। पर्याप्त नींद: नींद की कमी से आंखों में सूखापन और थकान होती है। धूम्रपान से बचें: धूम्रपान आंखों की रक्त धमनियों को प्रभावित करता है और दृष्टि कमजोर कर सकता है। नियमित नेत्र जांच: हर 6 महीने या साल में आंखों की जांच कराएँ। शुरुआती समस्याओं को पहचानना आसान होता है।

IGNOU ने लॉन्च किए 6 नए कोर्स:

करियर के लिए बेहतरीन ऑप्शन, फीस और एडमिशन प्रक्रिया

होम साइंस एक ऐसा क्षेत्र है जो पारिवारिक जीवन, पोषण, वस्त्र और फैशन, और घरेलू विज्ञान के अन्य पहलुओं से जुड़ा हुआ है। IGNOU ने बीए होम साइंस को इसीलिए पेश किया है ताकि छात्र सामाजिक जीवन और रोजगार दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

करियर विकल्प:
पोषण सलाहकार
फैशन और डिजाइनिंग विशेषज्ञ
घरेलू प्रबंधन विशेषज्ञ
चाइल्ड डेवलपमेंट और एजुकेशन काउंसलर

एडमिशन प्रक्रिया:
इच्छुक उम्मीदवार IGNOU की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 10+2 या समकक्ष योग्यता रखने वाले उम्मीदवार आवेदन के पात्र हैं।
फीस: लगभग ₹15,000-20,000 पूरे कोर्स के लिए (यह अनुमान है, आधिकारिक वेबसाइट पर शुल्क की पुष्टि आवश्यक है)।

हेल्थ केयर वेस्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेट कोर्स

स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में कचरा प्रबंधन एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय बन गया है। इस सर्टिफिकेट कोर्स के जरिए छात्र सीखेंगे कि कैसे अस्पतालों, क्लीनिक और समुदाय में कचरा प्रबंधन किया जाता है।

करियर विकल्प:
हेल्थ केयर मैनेजर
अस्पताल कचरा प्रबंधन अधिकारी
एनवायरनमेंट कंसल्टेंट

एडमिशन प्रक्रिया:
स्नातक पास उम्मीदवार आवेदन के पात्र हैं।
IGNOU की वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन करना होगा।
फीस: लगभग ₹5,000-7,000।

नर्स मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स

स्वास्थ्य क्षेत्र में नर्सिंग प्रोफेशन लगातार बढ़ रहा है और नर्स मैनेजमेंट की मांग भी बढ़ रही है। यह कोर्स नर्सिंग स्टाफ के लिए प्रबंधन, संगठन और स्वास्थ्य सेवा संचालन में कौशल विकसित करने के लिए है।

करियर विकल्प:
नर्सिंग सुपरवाइज़र
अस्पताल प्रशासन
हेल्थ केयर प्रबंधन

एडमिशन प्रक्रिया:
नर्सिंग या हेल्थ केयर में डिग्री/डिप्लोमा धारक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन IGNOU की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन करना होगा। फीस: लगभग ₹8,000-10,000।

पीजी डिप्लोमा इन ट्राइबल स्टडीज

भारत में आदिवासी समुदायों के अध्ययन और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान देने के लिए IGNOU ने यह कोर्स लॉन्च किया है। यह कोर्स समाजशास्त्र, लोक प्रशासन, विकास कार्य और मानवाधिकार के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए उपयुक्त है।

करियर विकल्प:
सरकारी और गैर-सरकारी संगठन (NGO) में कार्य
समाजिक कार्यकर्ता
शोधकर्ता और शिक्षाविद

एडमिशन प्रक्रिया:
स्नातक डिग्री धारक आवेदन के पात्र हैं।
ऑनलाइन आवेदन IGNOU पोर्टल पर करना होगा।
फीस: लगभग ₹20,000-25,000।

पत्रकारिता और संचार से जुड़े दो नए कोर्स

आधुनिक डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के युग में पत्रकारिता और संचार का महत्व बढ़ता जा रहा है। IGNOU ने इस क्षेत्र में दो नए कोर्स पेश किए हैं:
सर्टिफिकेट कोर्स इन जर्नलिज्म
सर्टिफिकेट कोर्स इन डिजिटल कम्युनिकेशन

करियर विकल्प:
रिपोर्टर/पत्रकार
कंटेंट क्रिएटर
डिजिटल मीडिया मैनेजर
पब्लिक रिलेशन अधिकारी

एडमिशन प्रक्रिया:

किसी भी स्ट्रीम से स्नातक पास उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। IGNOU की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन आवश्यक है।
फीस: लगभग ₹7,000-10,000 प्रति कोर्स।

एडमिशन प्रक्रिया का संपूर्ण विवरण

ऑनलाइन आवेदन: सभी इच्छुक उम्मीदवार IGNOU Samarth पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। लॉगिन/रजिस्ट्रेशन: नए उपयोगकर्ताओं को पहले रजिस्ट्रेशन करना होगा। फॉर्म भरना: व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यता और इच्छित कोर्स का चयन करें। फीस भुगतान: ऑनलाइन माध्यम (नेट बैंकिंग/डेबिट/क्रेडिट कार्ड) से फीस जमा करें। डॉक्यूमेंट अपलोड: शैक्षणिक प्रमाणपत्र और पहचान पत्र अपलोड करें। सबमिट और प्रिंट: फॉर्म सबमिट करने के बाद इसकी प्रिंट निकाल लें।

अंजुमन सदर के जन्मदिन पर एडवोकेट फिरोज खान ने किया इस्तकबाल

बारां (रॉयल पत्रिका)। मदरसा अंजुमन इस्लामियां बारां के सदर माजिद सलीम का जन्मदिन एडवोकेट फिरोज खान द्वारा अपने निजी आवास पर शनिवार 11 अक्टूबर को केक काटकर, माला पहनाकर, बुके देकर व मुंह मीठा करवाकर मनाया गया। इस अवसर पर अंजुमन सदर माजिद सलीम ने कहा कि ये उम्र जन्मदिन मनाने की नहीं है फिर भी आप जैसे भाइयों के प्यार व अपनेपन की वजह से आज ये दिन यादगार हो गया। एडवोकेट फिरोज खान ने कहा कि मेल-मिलाप से दूरियां घटती हैं और आपसी मोहब्बत बढ़ती है, इसी लिए सदर साहब सहित सभी करीबियों को इस खुशी के मौके पर याद किया गया। इस अवसर पर अंजुमन के नायब सदर जाकिर मंसूरी, वक्फ बोर्ड कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, अल्पसंख्यक कांग्रेस

जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, एडवोकेट जलीलुर्रहमान, एडवोकेट रईस हाशमी, समाजसेवी शेख बहादुर, मोहम्मद जफर, डॉ. वसीम अहमद शाह, मास्टर शाहिद हुसैन, इकबाल नेता, मोहम्मद शरीफ (मुन्ना टेलर), माशूक अली चिश्ती, उमर फारूक, पार्षद परवेज खान, रशीद लोढ़ी, इरफान खान अशरफी, युवा व्यवसाई वाजिद सलीम, इशरत खान, लकी अली मस्तान सहित कई लोग मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय मनो स्वास्थ्य दिवस पर चिकित्सा कैम्प का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय मनो स्वास्थ्य दिवस पर इन्हरव्हील क्लब द्वारा मानसिक विमंदित बच्चों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि बारां जिले मे मानसिक विमंदित बच्चों के लिए संचालित गृह मे क्लब द्वारा स्वास्थ्य जॉच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे लगभग 60 बच्चों का स्वास्थ्य जांचा एवं उनको आवश्य परामर्श एवं दवाईयॉ का वितरण किया गया । क्लब सचिव सीमा सिंह ने बताया कि इस शिविर मे डॉ. मणी गोयल (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. बृजेश गोयल (कान नाक गला विशेषज्ञ) तथा डॉ. लक्ष्य नागर (फिजिशियन) ने अपनी सेवाएँ प्रदान की। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों, कॉलेज विधार्थीयों एवं स्टाफ को सम्बोधित करते हुए क्लब अध्यक्ष ने कहा कि मानसिक रूप से विमंदित बच्चो को भी विशेष शिक्षा एवं देखभाल के माध्यम से समाज की मुख्य धारा से जोडा जा सकता है। उन्होने इन बच्चो के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से इनकी मनो स्थिती मे सुधार के बारे मे कहा। उन्होने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति

जागरूकता बढ़ानाए ज्ञान में वृद्धि करना और प्रयासों को गति प्रदान करना है। उन्होने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 मे इस वर्ष का विषय मानवीय आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य है। कार्यक्रम मे क्लब कोषाध्यक्ष मंजू बंसल ने कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों (विशेष आवश्यकता वाले बालक बालिकाओं) को मुख्यधारा मे समायोजन, समाज मे इनके प्रति सकरात्मक सोच का निर्माण, भेदभाव को रोकने, इनके अधिकारों एवं क्षमताओं के बारे मे जागरूकता उत्पन्न करने के उदेश्य से इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। बच्चो ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी कला का परिचय किया। कार्यक्रम मे विषय विशेषज्ञ अजीत कुमार ने बताया कि मानसिक विमंदित बच्चो के बीच उपस्थित रहकर उनके साथ वार्तालाप करने एवं उनका मार्गदर्शन करने से बच्चो को प्रेरणा मिलती है। नर्सिंग स्टाफ जगदीश मीणा ने बच्चों को आवश्यक दवाईयॉ वितरित की। कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथियों ने बच्चो को कैरी बैग व फ्रूट वितरित किये, चिकित्सकों का सम्मान किया तथा दिपावली की शुभकामनाऍ प्रदान की। कार्यक्रम मे विमदिंत गृह के अजय कुमार ने अतिथियो का धन्यवाद प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर "रन फॉर वोट" मैराथन का आयोजन

-अंता में बालिकाओं ने दिया शत-प्रतिशत मतदान का संदेश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार 11 अक्टूबर को अंता के सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम में जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के तहत "रन फॉर वोट मैराथन" का आयोजन किया गया। मैराथन का शुभारंभ जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु भी मौजूद रहे। उन्होंने उपस्थित जनों से आगामी मतदान दिवस 11 नवंबर को अंता विधानसभा उपचुनाव में शत-प्रतिशत मतदान का संकल्प लेते हुए धर्म, जाति, वर्ग, भाषा अथवा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना मतदान करने की अपील की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए बालिकाओं का सक्रिय योगदान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बालिकाओं से आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भर

बनें, शिक्षा को अपनी प्राथमिकता रखें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। सुबह 7:30 बजे शुरू हुई इस मैराथन में लगभग 1200 प्रतिभागियों, विशेष रूप से बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने 5 किलोमीटर की दूरी पूरी कर मतदाताओं को "वोट अवश्य करें" का संदेश दिया। मैराथन उपखंड अधिकारी कार्यालय से प्रारंभ होकर सीसवाली तिराहे से होते हुए स्टेडियम में समापन हुआ। सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी ने बताया कि यह आयोजन मतदाता जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण है, इसके माध्यम से मतदाताओं का मतदान के प्रति उत्साह उत्पन्न किया जा रहा है। इस अवसर पर एएसपी राजेश चौधरी, एसीईओ हरीश चन्द मीणा, उपखंड अधिकारी हवाई सिंह यादव, सहायक निदेशक सतीश परिहार "हमारी लाडो" संस्था की संस्थापक प्रेमलता पूनिया सहित अन्य मौजूद मौजूद रहे।

इंजीनियर इन्साफ अली आज़ाद का "संगठन सृजन एवं वोट चोर गद्दी छोड़" अभियान के अंतर्गत गुजरात राज्य का दौरा

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (ए.आई.सी.सी.) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अनुशासनात्मक समिति के सदस्य तथा गुजरात प्रदेश के प्रभारी इंजीनियर इन्साफ अली आज़ाद के निजी सचिव द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि 09 अक्टूबर 2025 शाम को कोटा से प्रस्थान कर वे 10 अक्टूबर 2025 की प्रातः 3:50 बजे अहमदाबाद पहुंचे। इसके पश्चात 10 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक वे गुजरात राज्य के विभिन्न जिलों में "संगठन सृजन एवं वोट चोर गद्दी छोड़" जनजागरण अभियान में भाग लेंगे। यह अभियान इमरान प्रतापगढ़ी, सांसद (राज्यसभा) एवं अध्यक्ष, ए.आई.सी.सी. अल्पसंख्यक विभाग के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में वजीर खान पठान साहब, अध्यक्ष, जी.पी.सी.सी. (गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी) अल्पसंख्यक विभाग सहित राज्य एवं जिला कांग्रेस नेतृत्व सक्रिय रूप से सहभागी रहेगा। इंजीनियर इन्साफ अली आज़ाद इस अभियान के दौरान संगठन सुदृढ़ीकरण, सदस्यता विस्तार, अल्पसंख्यक समाज के मुद्दों पर संवाद तथा आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की नीतियों

एवं दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचाने हेतु विभिन्न जनसभाओं, बैठकों और संवाद कार्यक्रमों में भाग लेंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना, मतदाताओं में जागरूकता लाना तथा जनता के बीच कांग्रेस पार्टी की विचारधारा एवं नेतृत्व के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करना है।

अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 :
जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने मांगरोल क्षेत्र के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। आगामी अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 के तहत 11 नवम्बर को होने वाले मतदान की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार 12 अक्टूबर को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने मांगरोल क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कोयला, भटवाड़ा मऊ, बमोरी कला सहित आसपास के अन्य मतदान केंद्रों पर पहुंचकर सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान दलों की आवाजाही, विद्त एवं संचार व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी तोमर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, रैम्प, प्रकाश, छाया तथा साफ-सफाई जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं, ताकि मतदान

दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में नियमित रूप से निरीक्षण कर निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। इस अवसर पर एसडीएम विश्वजीत सिंह, एसडीएम हवाई सिंह यादव, तहसीलदार, बीएलओ तथा पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मौके पर मतदान केंद्रों की लोकेशन, सुरक्षा घेरा एवं पहुंच मार्ग का भी जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उपचुनाव के दौरान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित मतदान के लिए प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर आमजन से भी संवाद किया और उन्होंने मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में अधिकाधिक भागीदारी की अपील की।

मुंशी अब्दुल रज़्ज़ाक एडवोकेट की 63 वीं बरसी पर पेश की खिराजे अकीदत

बारां (रॉयल पत्रिका)। कोटा रियासत के मशहूर खिदमतगुजार हाजी मुल्ला मोहम्मद इस्माइल साहब जो की कौमी सामाजिक दीनी कामो का अपने दिल में बहुत जज़्बा रखते थे उनके घर में अब्दुल रजाक साहब की पैदाइश हुई। अब्दुल रजाक साहब ने अपनी आला तालीम कोटा में रह कर प्राप्त की और वकील बने आप भी अपने वालिद की तरह कौम की सेवा का बहुत जज़्बा रखते थे। आप ने कोटा रियासत के छोटे से कस्बे बारां में आ कर वकालत चालू की और समाज की सेवा में लग गए। आप जानते थे कि इल्म के बिना कोई समाज उन्नति नही कर सकता है। इसी को ध्यान में रख कर आप ने अपने साथियों के साथ मिलकर 1932 मे मदरसा अंजुमन इस्लामिया बारां की बुनियाद रखी व इसको अपने कब्जे में नही रखते हुए बारां के हर घर को जोड़ते हुए घर-घर एक-एक मुट्ठी आटा व जलसे में चंदा लेना चालू किया व सभी मुस्लिम पंचायत के मेम्बरो को जोड़ कर इसको लोकतांत्रिक तरीके से चलाया और इसकी आमदनी के लिए अपनी काफी जमीन अंजुमन में दी जिस कारण आज भी मदरसे में बच्चौ से नाम मात्र फीस ली जाती है। अंजुमन मैरीज हाल बन सका आज यह मदरसा मोहम्मद अशफाक भाईजान सीनियर सेकेंडरी स्कूल तक बढ़ चुका है। आपने मदरसा समाज के हवाले कर दिया केवल

मदरसे की वक्त जरूरत इमदाद के लिए जलसे में झोली फैला कर चंदा लेने का काम अपने पास रखा व आप के बाद आपके बड़े बेटे मोहम्मद इस्हाक भाईजान एडवोकेट फिर छोटे बेटे मोहम्मद अशफाक भाईजान एडवोकेट फिर उनके बेटे एडवोकेट नवीद अशफाक रज़ा भाईजान ने झोली फैला कर चंदा लेने के काम को बखूबी निभाया, मोहम्मद इस्हाक भाईजान एडवोकेट के बेटे मोहम्मद आफाक भाईजान एडवोकेट ने अंजुमन सदर के तौर पर लंबे समय अपनी बेहतरीन खिदमत दी। आप ने कोटा पुराना मोटर स्टेण्ड चौराहा पर एक मस्जिद भी बनवाई जिसको 1990 के करीब आप के बेटे मोहम्मद अशफाक भाईजान ने किरायदारों से खाली करवा कर आबाद की व उसको भी समाज के हवाले कर दिया जिसमें आज लगातार जुमे व रमजान में तरावीह की नमाज़ भी होती है व यह सब की मदद से पहले से काफी बड़ी मस्जिद बन चुकी है। मुंशी अब्दुल रजाक एडवोकेट साहब व उनके परिवार ने जो समाज को दिया वह बेमिसाल है उनकी कोई होड़ नही कर सकता है। मौत एक सच्चाई है एक दिन सभी को जाना होगा 7 अक्टूबर 1962 को मुंशी अब्दुल रजाक एडवोकेट साहब दुनिया छोड़ कर चले गए लेकिन उनके काम आज भी जिंदा है समाज उनका एहसास कभी नही चुका सकता, हम उनके बताये रास्ते पर चले मदरसे को सीनियर सेकेंडरी तक तो ले गए लेकिन वह काफी नही है वहां सीनियर सेकेंडरी के अन्य विषय भी चालू हो व स्कूल से कालेज तक बन जाए जिससे हमारे बच्चों को बहुत नाम मात्र फीस में उच्च शिक्षा मिल सके वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर बड़े पदो पर काम कर समाज का घर परिवार का नाम रोशन कर सके यह मुंशी अब्दुल रजाक एडवोकेट साहब को सही तौर पर श्रद्धांजलि होगी। खिराजे अकीदत के दौरान ये रहे मौजूदः- मरहूम मुंशी अब्दुल रजाक साहब की 63 वीं बरसी के मौके पर मदरसा अंजुमन इस्लामियां कमेटी के पदाधिकारी ओर स्टॉफ के लोगों ने कब्रिस्तान क्लाडिया में पहुंच कर दुआएं मगफिरत की। इस दौरान नायब सदर जाकिर मंसूरी, सेकेट्री मोहम्मद आसिफ भाईजान, प्रोग्राम कन्वीनर इकबाल नेता, सदस्य शाहिद कुंडी, मोहतमिम अब्दुल कय्यूम, नासिर खान बंटी, वाईस प्रिंसिपल मोहम्मद आबिद देशवाली, जाहिद खान सहित बड़ी संख्या में स्टॉफ मौजूद रहा।

झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में भवानीमण्डी पुलिस की कार्यवाही

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। पुलिस थाना भवानीमंडी, जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि नशे शराब में होकर वाहन चलाने वाले व सार्वजनिक स्थानों एवं शराब के ठेको के पास शराब पीने वाले व्यकितयों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु सभी धानाधिकारीयो को निर्देशित किया गया था इन्ही निर्देशो की पालना में पुलिस थाना भवानीमण्डी द्वारा दौराने गश्त 08 व्यक्तियो को गिरफ्तार किया जाकर उनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की गई। कार्यवाही पुलिस- जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व चिरजीलाल मीणा अतिरिक्त पुलिस, अधीक्षक झालावाड के निर्देशन मे प्रेमकुमार आरपीएस वृताधिकारी वृत भवानीमंडी के निकटतम सुपरविजन में रमेशचंद मीणा पु.नि. थानाधिकारी थाना भवानीमंडी मय जाप्त द्वारा 11.10.2025 को संध्याकालिन गश्त के दौरान होटल ढाबे, शराब ठेके को चैकिंग करते हुये लगातार गश्त की दौराने चेंकिग व गश्त में शराब ठेको के पास शराब पीने वाले 03 व्यक्तियो व शराब ठेको के पास शराब पीलाने वाले डिसलेरी मैदान शराब ठेका सेल्स मेन पंकज मांडवी रोड शराब ठेका सेल्समेन वशवत गुर्जर एवं डिसलेरी मैदान शराब ठेका संचालक अजय मीणा व नशे शराब में होकर वाहन चलाने वाले 02 व्यक्तियों को उनके कब्जे के वाहन जब्त कर उपरोक्त सभी 08 व्यक्तियो को अलग-अलग धाराओं में गिरफतार किया जाकर पाबंद करवाया गया।

गिरफ्तारशुदा सराब ठेका सेल्समेन-

यशवन्त पुत्र शिवनारायण जाति गुर्जर उम्र 30 साल निवासी सुलिया पुलिस थाना भवानीमंडी जिला झालावाड़,

पंकज कुमार पुत्र कैलाशचंद जाति धोबी उम्र 25 साल निवासी भैसोदामंडी थाना भानपुरा जिला मंदसोर म.प्र

गिरफ्तारशुदा शराब ठेका संचालक-

अजय मीणा पुत्र रामलाल जाति मीणा उम्र 27 साल निवासी टगर मोहल्ला भवानीमंडी जिला झालावाड़

गिरफ्तारशुदा नशे शराब में होकर वाहन चलाने वाले-

अनिल बाधरा पुत्र बाबुलाल जाति धोबी उम्र 28 साल निवासी मैसोदा थाना भानपुरा जिला मंदसौर म.प्र,

ईश्वर पुत्र भैरुलाल जाति धोबी उम्र 22 साल निवासी धोबीखेड़ा थाना मिश्रोली जिला झालावाड़,

गिरफ्तारशुदा शराब ठेके व सावर्जनिक स्थान पर शराब पीने वाले,1. कुलदीप कुमार पुत्र भगवान सिह जाति पासवान उम्र 25 साल निवासी बशीर कोलोनी भवानीमंडी,

अमन कुशवाह पुत्र विजयराम सिह जाति कुशवाह उम्र 19 साल निवासी बिरला ग्राम नागदा म.प्र.,

सुचित शर्मा पुत्र विष्णु प्रसाद जाति ब्राह्मण उम्र 23 साल निवासी कोटडा पुलिस थाना भवानीमंडी जिला झालावाड़

चेतावनी-

इलाका थाना भवानीमंडी में संचालित सभी शराब ठेका संचालको व सेल्समेनो को निर्देशित किया जाता है कि भविष्य में भी कोई शराब ठेका संचालक व सेल्समेन अपने शराब के ठेको के अंदर या आस पास किसी भी व्यक्ति को शराब का सेवन नहीं करायेगा ऐसा पाया जाने पर शराब ठेका संचालक व सेल्समैन के खिलाफ विधिक कानुनी कार्यवाही की जावेगी। इलाका थाना भवानीमंडी में संचालित सभी शराब ठेका संचालको व सेल्समैनो को निर्देशित किया जाता है कि निर्धारित समय पर ही शराब ठेका संचालन करे निर्धारित समय से पूर्व या बाद में ठेका संचालन होते पाया जाने पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जावेगी।

डॉ. मजीद मलिक कमाण्डो का प्रदेश प्रवक्ता बनने पर किया स्वागत

किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। बारां मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान परिवार के तत्वावधान में भारत माता कॉलेज के निदेशक डॉक्टर मजीद मलिक कमाण्डो को राजस्थान सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किये जाने पर मौलाना आजाद परिवार के अध्यक्ष शेख बहादुर अली, अब्दुल वहीद, मुन्ना मास्टर, इदरीस अली मेव, नासिर हुसैन मेव, इजहार अहमद मेव ने फूल मालाओं से स्वागत कर मुबारकबाद देकर खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक व भारत माता कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. अरमान मलिक भी उपस्थित रहे।

50 जोड़ों का नि:शुल्क चौथा अहले मुस्लिम सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। अहले सुन्नत वल जमात अंजुमन कमेटी झालरापाटन के जेरे एहतमाम 50 जोड़ों का निशुल्क चौथा अहले मुस्लिम सामूहिक विवाह सम्मेलन सदर हाजी मुमताज अली, सा अंजुमन सदर हाजी याकूब खान साहब कि सदारत में 12 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया। अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष मुकीम अब्बासी ने भी परिवार की मुखिया महारानी वसुंधरा राजे जी वे झालावाड़ बांरा सांसद दुष्यंत सिंह जी के प्रतिनिधि के रूप में मेहमाने खुसूसी के तौर पर सम्मेलन में शिरकत की। वह महारानी वसुंधरा राजे का संदेश पढ़कर सबको सुनाया। झालरापाटन अंजुमन कमेटी सहित सम्मेलन में लगे सभी लोगों को शानदार आयोजन के लिए मुबारकबाद पेश कर सभी को धन्यवाद दिया। अपने जीवन की नई शुरुआत करने वाले 50

जोड़ो को खुशहाल जीवन जीने की शुभकामनाएं, मुबारकबाद भी पेश की। सम्मेलन सदर हाजी मुमताज अली साहब, अंजुमन सदर हाजी याकूब खान साहब ने मुकीम अब्बासी का मंच पर माला पहनकर स्वागत कर प्रशंसी पत्र मोमेंट देकर सम्मानित किया। इस मुबारक मौके पर साथ में फईम खान, अमीन खान, हाजी निजाम चौधरी, ईदगाह सदर शराफ़त अली अब्बू, इरफान पठान, नादिर खान सहित शहर के मोतबीर लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस में शुरू हुई झालावाड़ जिला अध्यक्ष की दौड़

-कई दिग्गजों के नाम आए सामने

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ कांग्रेस जिलाध्यक्ष की दौड़ में यह नेता शामिल है। यह कार्यकर्ताओं में चर्चा का विषय बने हुए। झालावाड़ जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता भी इस बार यह चाहते है कि हमारी आत्मा बोले वहीं जिलाध्यक्ष बने। वह कार्यकर्ताओं का आपस में मंथन जारी है। जिसमें 1. मीनाक्षी चंद्रावत पूर्व विधायक खानपुर 2. सुरेश गुर्जर विधायक खानपुर 3, विरेन्द्र सिंह झाला नेता बना 4. आमिर खान पूर्व युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष 5. शैलेन्द्र यादव उर्फ कालू चाचा 6. विष्णु पाटीदार के नामों पर चर्चा हो रही है। आला कमान भी इस बार नया चेहरा दे सकता है। वह जो भी उम्मीदवार जिलाध्यक्ष के है उनके पास एक ही पद रहे उसको मौका दे सकती है। वह पुराने बने हुए पूर्व में जिलाध्यक्षों पर विचार नहीं किया जा रहा है। ओर झालावाड़ जिला महिला रिजर्वेशन में भी जा सकता है। जानकार सूत्रों से पता चला है, दिल्ली से किसी बड़े कांग्रेस लीडर द्वारा भेरूसिंह परिहार को भी झालावाड़ जिलाध्यक्ष के उम्मीदवार के लिए आवेदन करने की बात सामने आ रही है।

कोटा-झालावाड़ नेशनल हाइवे-52 पर भीषण जाम

-दरा में ट्रक खराब होने से वाहनों की लगी लंबीलाइन, दिन-रात लगता रहता है जाम

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। एनएच-52 पर एक बार फिर जाम से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रही। इस कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़। शनिवार रात से शुरू हुआ यह जाम अलग-अलग स्थानों पर तीन से अधिक ट्रकों के खराब होने के कारण लगा है। दरा घाटी क्षेत्र में एक ट्रक के खराब होने के बाद से ही जाम की स्थिति बननी शुरू हुई और धरि-धीरे कई अन्य वाहनों के खराब होने की भी सूचना मिली। इसके चलते राजमार्ग के दोनों ओर, कोटा से झालावाड़ और झालावाड़ से कोटा जाने वाले रास्ते पर वाहनोंलंबी कतारें लग गई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जाम की स्थिति इतनी गंभीर है कि दिन-रात लगता रहता है जाम। इमरजेंसी के लिए कोई मर्तबा रास्ते में ही एंबुलेंस में पेशेंट की हालत गंभीर हो जाती है। झालावाड़ से कोटा के लिए सीरियस मरीजों स्वर्ग लोक पहुंच जाते हैं। वहीं, दूसरी ओर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से उतरने वाले वाहन अमझार से लेकर भटवाड़ा नयागांव लेन तक पहुंच गए। इससे कई किलोमीटर लंबी लाइनों में वाहन फंसे रहे। दोनों हीं प्रमुख मार्गों पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को समस्या हुई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी यातायात को सुचारू करने के लिए लगातार मशक्कत कर रहे हैं। वे एक-एक तरफ से वाहनों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण स्थिति को नियंत्रित करने में काफी समय लगा।

मुस्लिम समाज का ऐतिहासिक सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न, 25 जोड़ों ने एक साथ पढ़ी निकाह

-ओलमाओं ने शादियों में फिजूल खर्ची व गैर शरई काम रोकने पर जोर दिया

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली की ओर से पाली में तीसरी बार मात्र एक रुपए में आम मुस्लिम समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 25 जोड़ो का एक साथ निकाह करवाया गया। अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर व संयोजक जाकिर गौरी ने बताया कि यह आयोजन हैदर कॉलोनी स्थित गरीब नवाज तालीमी सोसायटी ग्राउंड में आयोजित किया गया। इस सामूहिक सम्मेलन में दुल्हा-दुल्हन के परिवार वालों से मात्र एक रुपए लेकर निकाह करवाया गया। समिति के प्रवक्ता मोहम्मद खालिद कादरी ने बताया भामाशाहों के सहयोग से समिति द्वारा दुल्हन को 21 घरेलू आइटम गिफ्ट दिए गए। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्य अतिथि मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी साहब जयपुर से तशरीफ लाए तथा पाली के विधायक भीमराज भाटी व प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण व गणमान्य

नागरिक तथा ओलमा हजरात विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। समिति के मीडिया प्रभारी सैयद अबूबकर व सदाकत अंसारी ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन कमेठी के चांद संजरी, शकील नागौरी, जहिर मकरानी, सत्तार पठान, इकबाल मोयल, इसफाक साता वाले, अरबाज अज्जू, वाहिद अशरफी, परवेज अंसारी, शरीफ भाटी, सलीम फ्रूट वाले, गुड्डु भाई, फकीर मोहम्मद चढ़वा, यासीन सबावत, अय्यूब सुलेमानी, शाहिद पिन्नू, अनवर हुसैन सोजत, सलीम भाई मुबल्लिग, इकबाल भाटी, फारूक रंगीला, हाजी मोहम्मद सोलंकी, हाफिज तहसीन रजा, गुड्डु भाई रामपुर वाले, असगर कुरैशी, इस्माइल गौरी, जावेद जिलानी, मकबूल चूड़ीगर, नौशाद केजीएन आदि का सहयोग रहा।

पेरामेडिकल प्रिंसिपल डॉ. जी. एल. डाड को मिला "लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड"

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की चिकित्सा और फॉरेंसिक मेडिसिन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए विख्यात डॉ. जी. एल. डाड को राजस्थान एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी (RAFMT) द्वारा प्रतिष्ठित "लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें RAJFMTCON-25 के अवसर पर व्यास मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, जोधपुर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। समारोह में प्रदेशभर के वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षाविद और मेडिकल विशेषज्ञ मौजूद रहे। गीतांजली हॉस्पिटल के पेरामेडिकल प्रिंसिपल डॉ. डाड ने अपने लंबे करियर में मेडिकल एजुकेशन और फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वे अपने उत्कृष्ट ज्ञान, अनुशासन और समर्पण के लिए पूरे देश में सम्मानित नाम हैं। (Organising Chairman, RAJFMTCON-25) ने संयुक्त रूप

उनकी सेवाओं ने न केवल अनेक विद्यार्थियों को प्रेरित किया है बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में शोध और शिक्षा के नए मानक स्थापित किए हैं। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री माननीय श्री जोगा राम पटेल, विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्री, डॉ. दीपाली पाठक (आयोजन सचिव) एवं डॉ. पी. सी. व्यास से यह सम्मान प्रदान किया और कहा कि "डॉ. डाड जैसे वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सा समुदाय के लिए प्रेरणा स्तंभ हैं।" गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिवार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर डॉ. डाड को हार्दिक बधाई दी है और इसे संस्था के लिए सम्मान का विषय बताया है।

मुफ्ती-ए-आज़म राजस्थान का उर्स देश में अमनों अमान की दुआ के साथ हुआ संपन्न

-समाज को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए शिक्षा और अच्छे अख्लाक जरूरी- कलीम अशरफ

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। अल इस्हाकिया अल अशफ़ाकिया ट्रस्ट द्वारा हजरत अशफाक हुसैन नईमी रहमतुल्लाह अलेय के 12 वे उर्स के मौके पर मुख्य वक्ता कलीम अशरफ जिलानी और मुफ्ती शमसुद्दीन ने अपनी तकरीर में समाज में बढ़ती कुरीतियों को रोकने का आह्वान किया। समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा और अच्छे अख्लाक पर जोर दिया और अवेयरनेस लाने के लिए निरंतर काम करने की जरूरत बताई समाज में बढ़ती फिजूलखर्ची पर अंकुश लगे। इस्लामिक स्कॉलर मोहम्मद सईद नूरी अपने संबोधन में कहा कि मुफ्ती साहब ने हमेशा आवाम की फिक्र की हमें भी समाज में बढ़ती नशाखोरी और बिखरते परिवारों को रोकना हमारी प्राथमिकता देनी चाहिए में समाज के बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, सामाजिक संगठनों से अपील करता हूं कि वह बिखरते परिवारों को बचाने के लिए एकजुट होकर काम करें नशे की आदत आपको और आपके परिवार को सिर्फ कष्ट ही देगी। अल इस्हाकिया अल अस्फ़ाकिया ट्रस्ट के अध्यक्ष हाजी मोइनुद्दीन अशरफी ने कहा कि हजरत का सपना था कि वह राजस्थान में दीनी तालीम की अलख जगाए और उन्होंने अपने पूरे जीवन में इस मिशन को आगे बढ़ाया। हजरत मुफ्ती अशफाक हुसैन नईमी रहमतुल्लाह अलेय का

उर्स सलातो सलाम एवं दुआ के साथ सम्पन हुआ जिसमें तकरीर और लंगर का आयोजन हुआ उर्स मे उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे राजस्थान के जिलो से जायरीनों ने शिरकत की मंच संचालन मुफ्ती फैयाज अहमद रिज्वी ने किया उर्स की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान से हुई और उर्स मे बापू गुलाम हुसैन साहब जिलानी द्वारा देश के अम्नों अमन और युवाओं की तरक्की के लिए दुआ की और उर्स का समापन हुआ। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी साजिद खान ने बताया कि उर्स मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान में पीर बापू गुलाम हुसैन जिलानी साहब सुजा शरीफ, मोलाना मुहम्मद कलीम अशरफ जिलानी उत्तर प्रदेश, मोलाना मुहम्मद सईद नूरी मुम्बई, मौलाना शमसुद्दीन मकराना, मौलाना तौसीफ रजा, डॉ. हफिजुर रहमान दिल्ली,शौकत खान, इस्माइल बैग, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद सद्दीक राजू, परवेज खान, मोहम्मद इरफान कुरैशी, रसूल बख्श, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद जाकिर, मौलाना रज्जब अली, नियामत पठान, फजलुद्दीन छिपा, सद्दीक राजु, समाजसेवी जावेद हुसैन, नियामत पठान, नसीम अली, आरिफ मारसाब, उमर गोल्डन, साजिद आदिल, मोहम्मद जाकिर, मोबिन कादरी, जावेद जाय, साबिर ली, वसीम आफरिदी, मुख्तियार चिश्ती, फजलुद्दीन,पप्पू खान, हबीब खान, मुश्ताक अहमद, शोएब, साबिर हुसैन, मोहम्मद साजिद, आसिफ नूरी, इमरान कुरैशी, जुल्फिकार, रमजान अली सहित हजारों समाजसेवी, शिक्षाविद, मुरीद ओर अकीदतमंद उपस्थित रहे।

वर्ल्ड पेलिएटिव केयर डे पर गीतांजली हॉस्पिटल में विशेष आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल के कैंसर विभाग के पेन एंड पेलिएटिव केयर विभाग की ओर से आज वर्ल्ड पेलिएटिव केयर डे के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग की एचओडी डॉ. सीमा परतानी एवं डॉ. नवीन पाटीदार सहित कैंसर विभाग के सभी डॉक्टर्स, स्टाफ सदस्यों, रोगियों एवं उनके अटेंडेंट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान केक कटिंग कर सभी ने इस दिवस को मनाया। इस अवसर पर डॉ. सीमा परतानी ने कहा कि "पेलिएटिव केयर का उद्देश्य

सिर्फ रोग का उपचार नहीं, बल्कि रोगी के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक दर्द को कम करना है। यह सेवा रोगी को जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद करती है।"

दुधवाखारा में जन सेवा विकास समिति की बैठक संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव में जनसेवा विकास समिति दुधवाखारा की एक बैठक का आयोजन तालाब पायतन पर डॉ. रामावतार शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सरपंच प्रतिनिधि देवकरण कस्वां के अलावा बड़ी संख्या में समिति के सदस्यों व गांव के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक में जोहड़ पायतन पर स्थित भवन की मरम्मत, जोहड़ के रखरखाव और मरम्मत तथा पशुओं के लिए। खेल और नियमित जल आपूर्ति पर विचार किया गया। बैठक में डॉ. रामावतार शर्मा ने आश्वासन दिया कि सभी मरम्मत कार्यों के लिए वित्तीय सहायता के लिए वह प्रबंध करा देंगे। इसके साथ ही सदस्यों द्वारा सुझाए दिए गए अन्य विषयों पर तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल में निर्मित ग्रामीण लाइब्रेरी शुरू करने गांव से हाइवे तक सड़क की

मरम्मत व उसकी चोड़ाई बढ़ाना, पशुओं के लिए अतिरिक्त एवं खेलों के लिए निर्माण आदि पर भी विचार किया गया। बैठक में डॉ. रामावतार शर्मा ने कहा कि गांव में चल रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम को और सघन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गांव में हर घर में फलदार वृक्ष लगाएं एवं जोहड़ पायतन में निंबू, आंवला, जामुन, सहजन और छायादार वृक्ष लगाएंगे। बैठक में शामिल सभी ग्रामवासियों ने अपने सुझाव दिए। अंत में डॉ. रामावतार शर्मा और सरपंच प्रतिनिधि देवकरण कस्वां ने बटन दबाकर पानी वितरण के लिए लगवाई गई मोटर का शुभारंभ किया। समिति के अध्यक्ष ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

घाघु के अक्षत को गोल्ड सहित दोहरी सफलता

-निखिल तीसरे स्थान पर रहे

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शहीद राजेश कुमार फगेड़िया राउमावि घांघू के अक्षत नागवाण ने ज़िला स्तरीय ट्रिपल जम्प मंत प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए लंबी कूद में भी सिल्वर मेडल प्राप्त कर दोहरी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक शफी मोहम्मद ने बताया कि राजगढ़ में चल रही 69 वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विद्यालय के सात सदस्यों का दल भाग ले रहा है। उन्होंने बताया कि अक्षत के अलावा निखिल रेवाड़ ने 5 किमी वॉक में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा अन्य विद्यार्थी भी सराहनीय प्रदर्शन कर रहे है उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा तैयार करवाए गए विद्यालय खेल मैदान का छात्रों को भरपूर

लाभ मिल रहा है और भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं आगामी समय में और भी अच्छे खिलाड़ी गांव के विद्यालयों से निकलने की उम्मीद है। अक्षत एवं निखिल की कामयाबी पर ग्राम पंचायत प्रशासक विमला देवी, प्राचार्य प्रताप कुमावत, सामाजिक कार्यकर्ता महावीर नेहरा, बीरबल नोखवाल, केसर देव प्रजापत, रामलाल फगेड़िया, पूर्व एथलीट हरफूल सिंह सहित ग्रामीणों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

बठिंडा वाले जिन्देशाह मदार के गद्दीनशीं पीर हाजी अनवार अली शाह की वफात

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर हाजन मस्जिद के पास बठिंडा वाले जिन्देशाह मदार सिल शिले के पीर हाजी अनवार अली शाह के वफात होने पर उनके आस्ताने गद्दी अली मोहम्मद शाह पर चूरू जिले भर से उनके चाहने वालों ने बैठक में मगफिरत के लिए दुवाएं की गई। आस्ताना के सदर ज़ाकिर झरियावाला ने बताया कि पीर हाजी अनवार अली शाह, जिन्देशाह मदारिया गद्दी पर आसीन थे, आपके चाहने वालों देश व प्रदेश ही नहीं विदेशों में उनके मुरीद थे (शिष्य) झरियावाला ने बताया दुवाएं कुरआन खानी में व्यवस्था लंगर की महाराष्ट्र हज कमेटी सदस्य क़ाज़ी शकील उनके मुरीद की तरफ़ से की गई। इस अवसर पर आलिम, मौलाना लियाकत अली, बगड़ दरगाह पीर दीन मोहम्मद शाह, बाबा शमशुद्दीन, बाबा मुस्लिम, चमन भौंचर, क़ाज़ी अल्ताफ़ हुसैन, क़ाज़ी शकील, कॉम काजियान सदर संजय भाटी, चूरू जिला अंजुमन अल शबाब जमील चौहान, आमीन दिलावर खानी, धोलू, रमजान खान, हिदायत खान, मुंशी खान, मोहम्मद सलीम, चांद नूर खोखर, हाजी फैजलहक, इदरीश खान नारू, एडवोकेट इकबाल, तौफीक, उस्मानगनी खान, कादरी

साहब आदि ने शिरकत की कुराने पाक की तिलावत की गई और दुवाएं की गई।

हिन्दुस्तान जिंक की जावर ग्रुप ऑफ माइंस में सुरक्षा और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आयोजित

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। हिन्दुस्तान जिंक की जावर ग्रुप ऑफ माइंस ने खान सुरक्षा महानिदेशालय के तत्वावधान में, जावर माइंस के एक्जीक्यूटिव क्लब में हैवी अर्थ मूविंग मशीनरी में तकनीकी प्रगति पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डीजीएमएस के अधिकारी, ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर पार्टनर, और हिन्दुस्तान जिंक की तकनीकी टीमों ने खनन में नवाचार, सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता पर गहन चर्चा, प्रस्तुतियों और इंटरैक्टिव सत्रों में भाग लिया। कार्यशाला में डीडीजी-डीजीएमएस आर. टी. मंडेकर, डीएमएस-डीजीएमएस जे. पी. वर्मा, डीडीएमएस-डीजीएमएस संदीप श्रीवास्तव,, डीएमएस-डीजीएमएस विनोद राजक, डीएमएस-डीजीएमएस टॉम मैथ्यू, डीडीएमएस-डीजीएमएस संकेत कुमार, डीडीएमएस-डीजीएमएस समीर सौरभ, डीडीएमएस-डीजीएमएस के. विजय कुमार और तम्मल्ला वासु, हिन्दुस्तान जिंक के सीओओ किशोर एस और आईबीयू सीईओ जावर अंशुल कुमार खंडेलवाल

उपस्थित थे। कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों ने हैवी अर्थ मूविंग मशीनरी सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने, ओईएम रखरखाव की सर्वोत्तम प्रथाओं, टकराव से बचने वाले सिस्टम को अपनाने, और भूमिगत खनन उपकरणों में स्वचालन और डिजिटल तकनीकों को शामिल करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। सत्रों में नियामक अनुपालन, डीजीएमएस अनुमोदन प्रक्रियाओं, और विश्व स्तरीय परिचालन प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा तंत्र के मानकीकरण को भी शामिल किया गया। यह कार्यशाला तकनीकी इनोवेशन, परिचालन उत्कृष्टता और सर्वोच्च सुरक्षा मानकों के प्रति हिन्दुस्तान जिंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जानकारी का आदान प्रदान करने और सहयोग को बढ़ावा देकर, यह पहल कंपनी के सुरक्षित, कुशल और स्थायी खनन कार्यों के प्रति समर्पण को मजबूत करती है।

सांचौर के बावरला विद्यालय में चैंपियन बालिका टीम का किया स्वागत

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। बावरला राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय, सारंगिया नाडी बस्ती विष्णुनगर की बालिकाओं ने संभागीय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर वर्ग की जनरल चैंपियनशिप अपने नाम की प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, केरू जोधपुर में 5 अक्टूबर से 9 अक्टूबर 2025 तक हुआ। जिसमें बालिकाओं ने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई स्पर्धाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त किए। कबड्डी में विजेता,बैडमिंटन में उपविजेता,400 मीटर दौड़ में विजेता एवं उपविजेता,600 मीटर दौड़ में विजेता एवं उपविजेता,4 गुना 100 मीटर रिले दौड़ में उपविजेता रही। साहित्य की प्रतियोगिताओं में भी बालिकाओं ने प्रतिभा दिखाई। संस्कृत वाद विवाद पक्ष में प्रथम स्थान, संस्कृत वाद विवाद विपक्ष में द्वितीय स्थान, अंग्रेजी निबंध में उपविजेता, संस्कृत निबंध में उपविजेता रही। विद्यालय की 12 बालिकाओं का राजकीय स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ। वही कबड्डी का बेस्ट प्लेयर का किताब मनीषा विश्नोई को मिला। विद्यालय लौटने पर बालिकाओं का विद्यालय परिवार एक ग्रामीणों की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक संतोष कुमार मीणा, अध्यापक जगदीश चंद्र बिश्नोई, निजी अध्यापिका पप्पू देवी व ग्रामीणों ने दल प्रभारित जगदीश चंद्र बिश्नोई और बालिकाओं का भव्य स्वागत कर अभिनंदन किया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर बारी फाउंडेशन ने किए जागरूकता के कार्यक्रम

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज बारी

फाउंडेशन ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को बढ़ावा देना और लोगों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जागरूक करना था।कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में

- मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा हुई।
- तनाव प्रबंधन और जागरूकता बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा
- बारी फाउंडेशन के प्रयासों को उजागर करना
- मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना

इस मौके पर B.A.R.I. फाउंडेशन की तरफ़ से हसन खान, रिंकू शर्मा और मोहित ने आम युवाओं को इस बारे में चुरू शहर में अनेक जगह पर युवाओं ओर महिलाओं को इस बारे जागृत रहने की जानकारी दी। इस मौके पर यूसुफ खान नारू, उम्मेद खान, अयूब खान, ज़ाकिर खान केके, सिकन्दर खान एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गीतांजली नर्सिंग कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर 2025) के उपलक्ष में

नर्सिंग कॉलेज के छात्र- छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित अवधारणाएँ कम करने तथा मानसिक बीमारियों के बारे में जानकारी प्रदान करने उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र नगर का कहना था कि "मानसिक बीमारी किसी को भी हो सकती है, कोई भी इससे अछूता नहीं है यह बीमारिया किसी भी उम्र, जाती-धर्म, गांव- शहर, अमीर-ग़रीब के व्यक्ति को हो सकती है" आचार्य डॉ. मनु शर्मा ने कहा कि "जिस प्रकार शारीरक बीमारियों होती है उसी प्रकार से मानसिक बीमारिया भी होती है हमे सिर्फ समय रहते मनोचिकित्सक की सलाह लेनी चाहिये।" इसके अतिरिक्त डॉ. भक्ति मुरके, डॉ. धीरज गोया, डॉ. राजीव रंजन राज एवं डॉ. गौरव पुरोहित ने छात्रो को संबोधित किया और मानसिक रोगों से जुड़ी भ्रांतियों, समाज में बढ़ रहे नशे, मोबाइल एडिक्शन एवं मानसिक बीमारियों में काम ली जाने वाली दवाई के बारे में, नर्सिंग कर्मी एवं स्वास्थ्य संयोगियों की सहभागिता, जिम्मेदारियों के निर्वहन के विषय में चर्चा की गई।

हाजी अनवार अली शाह की वफात के बाद दुआएं व कुरान ख्वानी की गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय हाजन मस्जिद के पास बठिंडा वाले जिन्देशाह मदार सिल शिले के पीर हाजी अनवार अली शाह के इंतकाल के बाद (वफात) होने पर उनके आस्ताने गद्दी अली मोहम्मद शाह पर चूरू जिले भर से उनके चाहने वालों ने बैठक (श्रद्धांजलि अर्पित) में मगफिरत के लिए दुवाएं की गई। आस्ताना के सदर ज़ाकिर झारियावाला ने बताया कि पीर हाजी अनवार अली शाह, जिन्देशाह मदारिया गद्दी पर आसीन थे, आपके चाहने वालों देश व प्रदेश ही नहीं विदेशों में उनके मुरीद थे (शिष्य) झारियावाला ने बताया कि रविवार को दुवाएं कुरआन खानी की गई जिसमें लंगर में महाराष्ट्र हज कमेटी सदस्य क़ाज़ी शकील उनके मुरीद की तरफ़ से की गई। इस अवसर पर आलिम, मौलाना लियाकत अली, बगड़ दरगाह गद्दी नशीन पीर दीन मोहम्मद शाह, पीर सैयद शाह,बाबा शमशुद्दीन, बाबा मुस्लिम, चमन भौंचर, क़ाज़ी अल्ताफ़ हुसैन, क़ाज़ी शकील, कॉम काजियान सदर संजय भाटी, चूरू जिला अंजुमन अल शबाब के अध्यक्ष जमील चौहान, आमीन दिलावर खानी, धोलू, रमजान खान, हिदायत खान, मुंशी खान, मोहम्मद सलीम, चांद नूर खोखर, हाजी फैजलहक, इदरीश खान नारू, एडवोकेट इकबाल, तौफीक, उस्मानगनी खान, कादरी साहब आदि उपस्थित रहे दुवाएं की गई।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

वक़्फ़ संपत्तियाँ समाज की भलाई के लिए हैं, विवाद के लिए नहीं– डॉ. मोहम्मद शोएब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस सचिव डॉ. मोहम्मद शोएब ने कहा किवक़्फ़ का प्रबंधन सिर्फ ज़मीन-पूंजी का मामला नहीं है, बल्कि हमारी धार्मिक स्वायत्तता, सामुदायिक आत्मसम्मान और संवैधानिक अधिकारों का सवाल है। वक़्फ़ (संशोधन) अधिनियम, 2025 में जो बदलाव हुए हैं, वे मुसलमानों को स्वीकार्य नहीं हैं। AIMPLB ने इस निर्णय को "अपूर्ण और असंतोषजनक" करार दिया है क्योंकि अधिनियम की कई ऐसी धाराएँ अभी भी लागू हैं जो वक़्फ़ संस्थाओं की स्वायत्तता को प्रभावित करती हैं और मुसलमानों को उनकी परंपराओं के अनुसार अपने धार्मिक और चैरिटेबल एन्डॉवमेंट्स (दान-सम्पत्तियों) को प्रबंधित करने से रोकती हैं। विशेष रूप से "वक़्फ़-बाय-यूज़र" की धारणा को समाप्त करना, गैर-मुस्लिमों को वक़्फ़ बोर्डों में शामिल करना, वक़्फ़ संपत्तियों की मंजूरी एवं उनकी मान्यता के लिए सरकारी अधिकारियों की भूमिका बढ़ाना—ये कदम हमें लगते हैं कि मुसलमानों के धार्मिक

अधिकारों और उनके इतिहास के बोझ के प्रति न्यायसंगत नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कुछ प्रावधानों को फिलहाल स्थगित करना एक सकारात्मक कदम है—जैसे कि वक़्फ़ संपत्तियों की रिकॉर्ड में जब तक अंतिम फैसला न हो, तब तक उन पर कोई कब्ज़ा या बदलाव नहीं हो सकेगा। लेकिन अधिनियम के अन्य प्रावधान अभी भी लागू हैं, जिनका दुरुपयोग होने का डर है। मुसलमानों की मांग है कि पूरा अधिनियम वापस लिया जाए और पुराना कानून बहाल हो। मुसलमान समुदाय के रूप में मेरा मानना है कि हमारा धर्म हमें इन दान की गई संपत्तियाँ के माध्यम से समाज सेवा करने का अवसर देता है, लेकिन जब सरकार ऐसी नीतियाँ बनाती है जो स्वतंत्र प्रबंधन और पारंपरिक दायरे को सीमित कर देती हैं, तो हमें संवैधानिक न्याय का सहारा लेना चाहिए। हम इस अधिनियम (Waqf Amendment Act 2025) का कड़ा विरोध करते हैं, क्योंकि यह क़ानून असंवैधानिक है और हमारे देश की एकता, संविधान तथा मौलिक अधिकारों के लिए खतरा पैदा करता है। इसीलिए, संविधान की रक्षा और अपने अधिकारों की सुरक्षा के लिए हम 11 अक्टूबर को जंतर-मंतर, दिल्ली में धरना देने जा रहे हैं। हमारा यह शांतिपूर्ण विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार इस क़ानून को पूरी तरह वापस नहीं लेती। इसलिए हम शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से विरोध करेंगे। हमारा संघर्ष न्याय और अधिकारों के लिए है, न कि टकराव के लिए। वक़्फ़ संस्थाएँ हमारी ढाल हैं, हमारी ज़मीन हैं, हमारी पहचान है—और इनमें हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए जब तक न्यायिक प्रक्रिया पूरी तरह से नहीं हो जाती।

'किसी कीमत पर बगराम एयरबेस नहीं देंगे' - अमीर खान मुत्तकी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी भारत के दौरे पर हैं। मुत्तकी ने कहा कि हम बगराम एयरबेस किसी को नहीं देंगे। अफगानिस्तान अपनी जमीं का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ नहीं होने देगा। अगर कोई हमारे साथ रिश्ते बनाना चाहता है तो उन्हें डिप्लोमैटिक मिशन के जरिए आना होगा ना कि सैन्य वर्दी में नहीं। यह किसी भी कीमत में स्वीकार्य नहीं है। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह अफगानिस्तान में अमेरिका का बनाया हुआ बगराम एयरबेस वापस चाहते हैं। मुत्तकी ने शुक्रवार को विदेश मंत्री जयशंकर से भी मुलाकात की दोनों पक्षों ने व्यापार, विकास और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति जताई। मुत्तकी गुरुवार को एक हफ्ते की यात्रा पर दिल्ली पहुंचे थे। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद काबुल से दिल्ली तक यह पहली यात्रा है।

सीजेआई पर जूता फैंकने का प्रयास न्यायपालिका व संविधान पर हमला- विपक्षी दल

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर जूता फेंकने के प्रयास की लगभग सभी विपक्षी दलों के नेताओं ने कड़ी निंदा की है। इन दलों में कांग्रेस, भाकपा, माकपा, राकांपा (एसपी), सपा, शिवसेना (यूबीटी) और द्रमुक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह संविधान एवं न्यायपालिका पर हमला है और यह दर्शाता है कि समाज में किस तरह नफरत एवं कट्टरता व्याप्त है। कांग्रेस ने पहले प्रधानमंत्री की आलोचना की और घटना के कुछ घंटों बाद तक उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया और उसे शर्मनाक बताया। पार्टी ने इस घटना को मर्यादा का चौंकाने वाला उल्लंघन, भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक खतरनाक नया निम्नस्तर और न्यायपालिका व संविधान की बुनियाद पर हमला बताया।

सोनिया गांधी ने क्या कहा?

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा, ''सुप्रीम कोर्ट में प्रधान न्यायाधीश पर हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह सिर्फ उन पर ही नहीं, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है। प्रधान न्यायाधीश बहुत उदार रहे, लेकिन देश को गहरी पीड़ा और आक्रोश के साथ एकजुट होकर उनके साथ खड़ा होना चाहिए।"

राहुल गांधी ने क्या कहा?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि यह हमला न्यायपालिका की गरिमा और संविधान की भावना पर हमला है। इस तरह की नफरत का हमारे देश में कोई स्थान नहीं है और इसकी ¨नदा की जानी चाहिए।

खरगे ने क्या कहा?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश पर हमले का प्रयास अभूतपूर्व, शर्मनाक और घृणित है। इस तरह की नासमझी भरी कार्रवाई दर्शाती है कि पिछले एक दशक में नफरत और कट्टरता ने हमारे समाज को कैसे जकड़ लिया है।

स्टालिन ने क्या कहा?

हमले की निंदा करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा, ''हमलावर द्वारा अपने कृत्य के लिए बताई गई वजह दर्शाती है कि हमारे समाज में दमनकारी और पदानुक्रमित मानसिकता अभी भी कितनी गहराई तक मौजूद है।"

विजयन ने क्या कहा?

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी इस कृत्य की निंदा की और इसे संघ परिवार द्वारा फैलाई गई घृणा का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि इसे एक व्यक्तिगत कृत्य बताकर खारिज करना असहिष्णुता के बढ़ते माहौल की अनदेखी करना होगा।

शरद पवार क्या बोले?

राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा, ''हमारे देश में फैलाया जा रहा जहर अब सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं का भी सम्मान नहीं करता। यह देश के लिए खतरे की घंटी है।"

प्रियंका चतुर्वेदी ने क्या कहा?

शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मतभेद और असहमति हिंसा का कारण नहीं बन सकते और न ही बनने चाहिए। उम्मीद है कि इस निंदनीय कृत्य के लिए जिम्मेदार वकील पर कार्रवाई की जाएगी और उसका लाइसेंस रद किया जाएगा।

कपिल सिब्बल क्या बोले?

राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा, ''सुप्रीम कोर्ट बार के एक सदस्य के असभ्य व्यवहार की सभी को सार्वजनिक रूप से निंदा करनी चाहिए क्योंकि यह न्यायालय की गरिमा का अपमान है।" माकपा पोलित ब्यूरो ने इस घटना को हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक ताकतों द्वारा समाज में फैलाए गए मनुवादी और सांप्रदायिक जहर का एक और उदाहरण बताया। कहा, यह संघ परिवार की असहिष्णुता और उनकी विचारधारा के विपरीत किसी भी विचार को स्वीकार करने की अनिच्छा को भी दर्शाता है। भाकपा महासचिव डी. राजा ने कहा, ''दक्षिणपंथियों द्वारा फैलाया गया सांप्रदायिक और जातिवादी जहर इस हद तक पहुंच गया है कि अब प्रधान न्यायाधीश, जो एक दलित न्यायाधीश भी हैं, को खुलेआम निशाना बनाया जा रहा है। समाज में न्याय की स्थापना के लिए इस मानसिकता को उजागर करना, अलग-थलग करना और परास्त करना जरूरी है।" समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस कृत्य को अहंकार से प्रेरित और दबंग लोगों की उपज बताया।

हमास ने 20 इजायली बंधकों को किया रिहा, नेपाल के एकमात्र हिंदू बंधक के जिंदा बचने की उम्मीद खत्म

जयपुर (गाजा सीजफायर लाइव)। गाजा में दो साल तक चली लड़ाई के बाद सोमवार से इजरायली बंधकों की रिहाई शुरू हो गई है। 7 बंधकों के पहले बैच को रिहा भी कर दिया गया है। गाजा से 48 बंधकों की रिहाई की उम्मीद में सैकड़ों लोग सुबह से ही तेल अवीव के बंधक चौक पर जमा हो गए। बंधक और लापता परिवार मंच ने चौक पर लगाई गई स्क्रीन पर बंधकों की इजरायल वापसी का प्रसारण करने की योजना बनाई है। चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, बंधकों के परिवारों को रात में ही दक्षिण की ओर रवाना कर दिया गया। परिवारों को गाजा सीमा के पास स्थित रीम सैन्य अड्डे पर पहुंचने के लिए कहा गया है। स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8 बजे बंधकों की रिहाई की उम्मीद है। गाजा में हमास की कैद में अभ 48 इजरायली बंधक अभी मौजूद हैं, जिनमें से 20 के जीवित होने की संभावना है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमले के दौरान 250 बंधकों को अगवा कर लिया था। इनमें से बाकी को जीवित या मृत छोड़ा जा चुका है।

डोनाल्डे ट्रंप इजरायली संसद पहुंचे-

इजरायल के सभी 20 जिंदा बंधकों के रिहा होने के बाद अमेरिकी राष्ट्र पति डोनाल्डध ट्रंप इजरायल पहुंच गए हैं। ट्रंप इजरायल की संसद को संबोधित करने जा रहे हैं। साल 1949 में इजरायल बनने के बाद ट्रंप ऐसे चौथे अमेरिकी राष्ट्रकपति हैं जो इजरायली संसद को संबोधित करेंगे। ट्रंप का इजरायली संसद की अध्यऐक्ष ने स्वागत किया है।

हमास के कब्जे् में अब कोई जिंदा बंधक नहीं, नेपाली परिवार को झटका-

हमास के 13 बचे हुए बंधकों को रिहा करने के बाद अब कोई भी जिंदा बंधक उसके कब्जेध में नहीं है। इजरायली मीडिया के मुताबिक हमास के कब्जे में अभी भी 28 बंधकों के शव हैं। इनमें से कुछ शव को आज इजरायली सेना को ट्रांसफर किया जाएगा। इसके साथ ही नेपाली बंधक बिपिन जोशी के जिंदा बचने की संभावना खत्मं हो गई है। बिपनि एकमात्र हिंदू बंधक थे।

हमास ने 20 इजरायली बंधकों को किया रिहा-

हमास ने पहले 7 और 13 बंधकों को रिहा कर दिया है। हमास ने ऐलान किया था कि वह 20 बंधकों को रिहा करेगा। 13 बंधकों का दूसरा इजरायली जत्था रेड क्रॉस को सौंप दिया गया है। इन सभी को दक्षिणी गाजा में रेडक्रॉस के हवाले किया गया। ये सभी अब इजरायल जा रहे हैं।

मैं गाजा की यात्रा करना चाहूंगा: ट्रंप-

इजरायल पहुंचे अमेरिका के राष्ट्र पति डोनाल्डर ट्रंप ने कहा है कि वह गाजा की यात्रा करना चाहेंगे। अपने विमान एयरफोर्स वन में ट्रंप ने कहा कि अगर वह गाजा जाते हैं तो उन्हेंप गर्व होगा। मैं गाजा गए बिना ही उसके बारे में बहुत कुछ जानता हूं। मैं इस यात्रा को करना चाहूंगा। ट्रंप ने इजरायल की संसद को संबोधित किया।

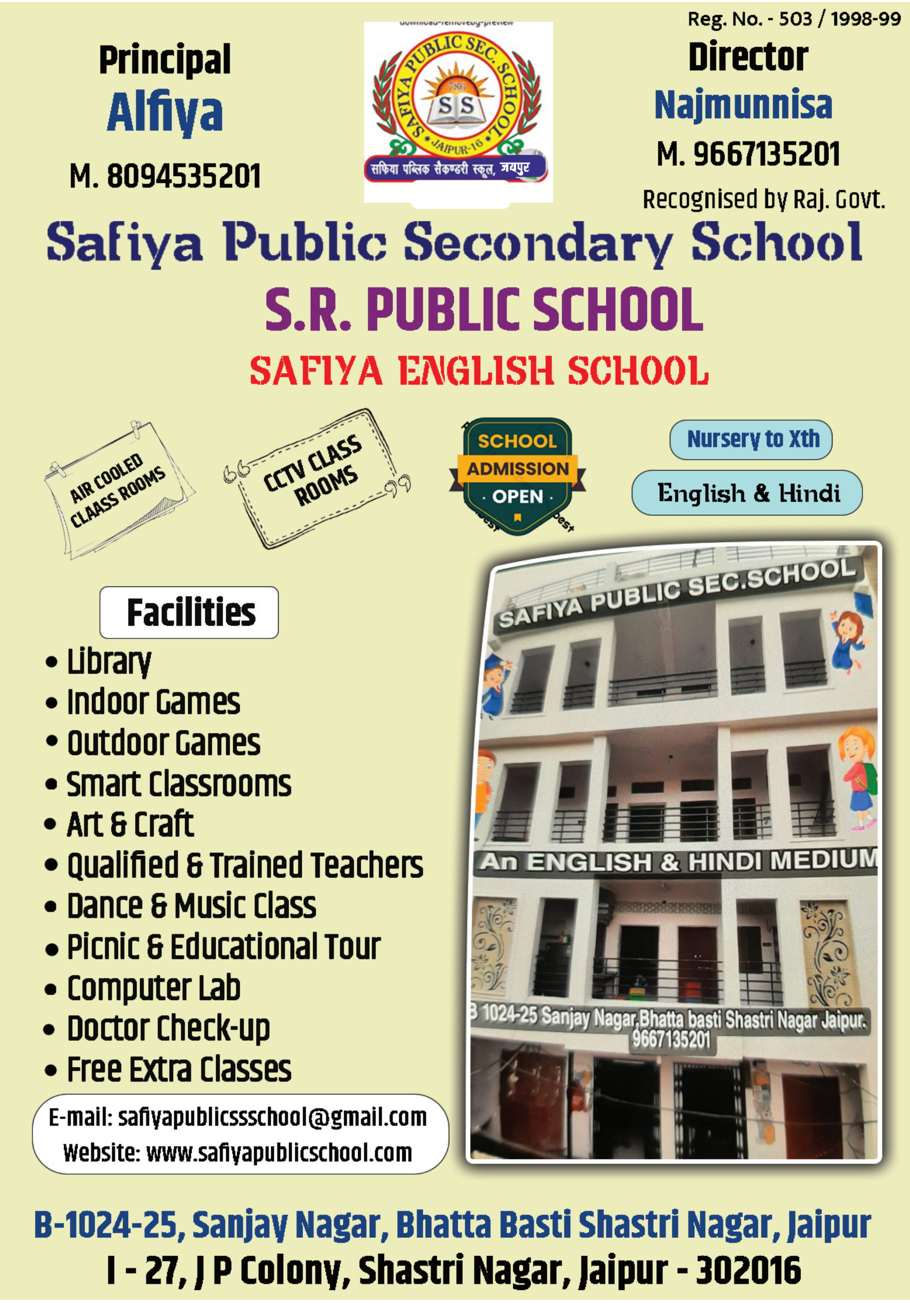

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com